सभी अखबारों में विज्ञापन
छपवाने के लिए सम्पर्क करें
PAAVAN ADVERTISER
9811288839, 9311288839

राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचारपत्र
पावन संसार
सच का आगाज़
संस्थापक : श्री संतोष कुमार RNI No. DELHIN/2011/40220 Postal No. G-3/DL(N)/267/2024-26 Date of Publication:- 08-05-2025
E-mail : paavansansar@gmail.com | paavansansar@yahoo.com www.paavansansar.com

पावन संसार में विज्ञापन, समाचार आदि देने हेतु सम्पर्क करें!
पावन संसार
डी-4, सेफ्वे हाउस, प्रथम मंजिल, डी-ब्लॉक, सैन्ट्रल मार्किट, प्रशांत विहार, दिल्ली-85
9311288839

वर्ष 14, अंक 38 नई दिल्ली, 08 से 14 मई 2025, संपादक - वीरेन्द्र कुमार अग्रवाल - 09811288839, सह संपादक - आर.पी. चौहान - 9213513590, कुल पृष्ठ संख्या-8 ₹ 5

Rohini Suzuki 9899480055
Sec. 3, ROHINI | MANGOL PURI | BUDH VIHAR

पूज्य गुरुदेव श्री प्रकाश चंद जी महाराज साहब का प्रेरणादायक प्रवचन हुआ

तपस्वीरत्न महास्थविर गणाधीश पूज्य गुरुदेव श्री प्रकाश चंद जी महाराज साहब का पीयू-ब्लॉक, पीतमपुरा स्थित एस.एस. जैन सभा भवन में विशेष प्रवचन आयोजित किया गया। प्रवचन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और गुरुदेव के दिव्य वचनों से लाभान्वित हुए।

पूज्य गुरुदेव श्री प्रकाश चंद जी महाराज साहब जैन धर्म के एक तपस्वी, विद्वान और समर्पित संत हैं। आपने जीवन भर आत्मकल्याण और समाज सेवा को ही लक्ष्य बनाया है। आपकी वाणी में करुणा, ज्ञान और आत्मा की गहराई का संगम होता है। अपने संयम, साधना और समर्पण से आपने असंख्य जनों का मार्गदर्शन किया है।

प्रवचन में गुरुदेव ने एक भावपूर्ण गीत सुनाया – जीवनी की चादर बुन लो, संतों के दरबार में, सब ओर हिंसा के त्यागी हो गए हैं, साधना करते संतों के दरबार में, कुछ बोल कर्म के सुन लो संतो के दरबार में। इस गीत ने श्रद्धालुओं के हृदय को छू लिया।

गुरुदेव ने प्रवचन में कहा कि हर व्यक्ति का चुनाव अलग होता है। जैसे विधान सभा का चुनाव एक प्रक्रिया है, वैसे ही गुरुओं का चुनाव आत्मा की पुकार और जीवन के लक्ष्य के अनुसार होता है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य सही होना चाहिए। सभी प्राणियों का कल्याण हो यही मंगलकामना होनी चाहिए। जब हृदय में प्रेम होगा तो हम किसी का बुरा नहीं चाहेंगे।

उन्होंने आगे कहा, हम सब जहां भी जन्मे हैं, वहां से हमारा संबंध है। अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। हमें यह जानना चाहिए कि हम किस कर्तव्य को लेकर इस संसार में आए हैं। पशुओं के लिए कोई विधि-नियम नहीं होते, पर मनुष्य के लिए होते हैं।

गुरुदेव ने मानव शरीर के उदाहरणों के माध्यम से जीवन की गहराई को समझाया – मुख का कार्य भोजन करना है, दाँतों का चबाना, पेट का पचाना। जैसे पेट ज़रूरत का रखता है और अतिरिक्त बाहर निकाल देता है, वैसे ही हमें भी जीवन में अनावश्यक बातों को छोड़कर केवल आवश्यक बातों को ही स्थान देना चाहिए।

प्रवचन के दौरान गुरुदेव ने एक और प्रेरणादायक गीत सुनाया – होता है, होता है आनंद प्रभु की वाणी से, आनंद मुनेश्वर गुरूवर प्यारे, जीवन नैया के रखवाले, जोड़ गए संबंध प्रभु की वाणी से।

गुरुदेव ने एक प्रेरक कथा के माध्यम से भी जीवन का मर्म समझाया, जिसमें शास्त्री जी और उनकी पत्नी का संवाद था। यह कथा जीवन में नाम, मान, मोह और ज़िम्मेदारियों की सही समझ को दर्शाती है।

अंत में गुरुदेव ने कहा कि हर किसी की ज़िम्मेदारी होती है, हर किसी का कर्तव्य होता है। छोटे का अधिकार है सेवा करना।

जो भी श्रद्धालु पूज्य गुरुदेव के दर्शन व मार्गदर्शन प्राप्त करना चाहते हैं, उनके लिए यह जानकारी महत्वपूर्ण है कि गुरुदेव आगामी 8-10 दिनों तक पीयू-ब्लॉक, पीतमपुरा स्थित एसएस जैन सभा भवन में ही विराजमान रहेंगे। सभी धर्मप्रेमियों से विनम्र निवेदन है कि वे इस आध्यात्मिक अवसर का लाभ उठाएँ और गुरुदेव के सान्निध्य में आत्मिक शांति प्राप्त करें।

मधुबन चौक पर बनेगा नया स्काईवॉक, रोहिणी कोर्ट और पीतमपुरा मेट्रो को जोड़ेगा

नई दिल्ली (सं.)। दिल्ली के उत्तरी-पश्चिमी इलाके में पैदल यात्रियों की सुविधा और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार ने मधुबन चौक पर एक नए स्काईवॉक के निर्माण की योजना को मंजूरी दी है। यह स्काईवॉक रोहिणी कोर्ट परिसर और पीतमपुरा मेट्रो स्टेशन को सीधे जोड़ेगा, जिससे हजारों दैनिक यात्रियों को राहत मिलेगी।

लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तावित इस योजना के तहत स्काईवॉक तीन हिस्सों में बनाया जाएगा। इसके निर्माण पर लगभग 17.5 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। इस परियोजना को दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) को सौंपा जाएगा, जो पहले से ही क्षेत्र में मेट्रो के चरण-4 के कार्य में संलग्न है।

तीन भागों में बनेगा स्काईवॉक – इस स्काईवॉक की संरचना को तीन खंडों में विभाजित किया गया है

पहला खंड पीतमपुरा मेट्रो स्टेशन से रोहिणी कोर्ट तक सीधा संपर्क प्रदान करेगा।

दूसरा खंड संभावित पिंक लाइन स्टेशन से जोड़ेगा जो जनकपुरी वेस्ट और आर.के. आश्रम को जोड़ने वाली मेट्रो लाइन का हिस्सा होगा।

तीसरा खंड प्रशांत विहार और वज़ीरपुर जाने वाले सड़क मार्ग से जुड़ेगा।

यातायात और सुरक्षा दोनों में सुधार – मधुबन चौक राजधानी का एक प्रमुख ट्रैफिक जंक्शन है, जहाँ हर दिन हजारों वाहन गुजरते हैं और बड़ी संख्या में लोग पैदल यात्रा करते हैं। यहाँ कई बार

शेष पृष्ठ 7 पर

ENHANCERS ACADEMY
academyenhancers
ENHANCERS ACADEMY
CLASSES XI & XII
ACCOUNTANCY MATHS ECONOMICS
CLASSES I - VIII CLASSES IX - X
ALL SUBJECT MATHS SCIENCE
9599127878, 9868726527
BRANCH 1:- F-10 PRASHANT VIHAR
BRANCH 2:- QU 233 - C PITAMPURA

जरूरी है वॉशरूम की उचित देखभाल

वॉशरूम का प्रयोग दिन में हम कई बार करते हैं। अगर वॉशरूम से बदबू आ रही हो या गंदा हो तो मजबूरी में हम प्रयोग तो करते हैं पर बड़ा बुरा लगता है। वॉशरूम को कीटाणुमुक्त ताजगी से भरा और सुगंधित रखना हम सबका कर्तव्य है। कुछ अतिरिक्त मेहनत और ध्यान रख हम इसे साफ सुथरा बना सकते हैं।

जब भी वॉशबेसिन का नल खोलकर साबुन से हाथ धोएं, हाथ धोकर नल बंद करने से पूर्व नल पर लगे साबुन को साफ करें ताकि नल पर साबुन की झाग न जमी रहे।

कमोड को गंदा न करें। कमोड प्रयोग करने से पूर्व कमोड की सीट को उठा दें। प्रयोग करने के बाद फ्लश करें। फ्लश करते समय ढक्कन बंद कर दें ताकि कमोड के सूक्ष्म छींटे और कीटाणु बाहर निकल कर वॉशरूम को प्रदूषित न कर सकें।

खाना खाने के बाद जब वॉशबेसिन में कुल्ला करें तो ध्यान रखें कि मुंह से निकले खाने के कण पानी की सहायता से बह जाए। वाशबेसिन में न पड़े रहें।

जब भी शौच जाएं, अपने हाथ अवश्य धोएं और सुखाएं भी। गीले हाथ वॉशरूम के हैंडल और दरवाजे पर लग कर उन्हें खराब कर सकते हैं।

सार्वजनिक शौचालयों का प्रयोग भी उसी प्रकार करें जैसे घर के शौचालय का करते हैं। विशेष कर जब भी पुरूष मूत्रा त्यागें, ध्यान दें फर्श पर मूत्रा की बूंदें न गिरें। गिरने से फर्श तो गंदा होगा ही, दुर्गन्ध भी बढ़ेगी।

नहाने के उपरांत साबुन, शैंपू, बॉडीवाश, जूना सब उचित स्थान पर वापिस रखें। बाल्टियों और मग को उलटा कर रखें ताकि बचे हुए पानी में संक्रमण पनपने न पाएं।

अगर स्टैंडिंग पोंछा है या वाइपर से पोंछा से लगाते हैं तो काम खत्म करने पर उसके हैंडल को खड़ा रखें। स्टैंडिंग पोंछे को धूप में सुखाएं, वाइपर वाले पोंछे को सुखा कर रखें। अगर धूप घर पर नहीं आती तो कीटाणुनाशक दवा से साफ कर सूखे स्थान पर रखें।

बाथरूम में अगर बाथटब है और नियमित प्रयोग कर रहे हैं तो उसका पानी निकाल कर उसे सुखा दें। प्लास्टिक के परदे को पोंछ दें ताकि उसका अतिरिक्त पानी बाथटब और फर्श को खराब न कर सके।

– सुनीता गाबा

– चुटकुले –

एक बार क्लास में मैडम ने बच्चों से एक सवाल पूछा...
मैडम– तुम सब में से सबसे बहादुर कौन है बच्चों...?
मैडम का सवाल सुन के सारे बच्चों ने हाथ उठा दिए...
यह देख मैडम ने एक और सवाल पूछा...
मैडम– अच्छा बताओ, अगर तुम्हारे स्कूल के सामने कोई बम रख दे, तो तुम क्या करोगे...?
मैडम का सवाल सुन पप्पू ने हाथ उठाया और बोला
पप्पू– मैडम जी एक, दो मिनट देखेंगे अगर कोई ले जाता है तो ठीक है, नहीं तो स्टाफरूम में रख देंगे!

....

लड़की वाले– बेटा क्या करता है आपका?
लड़के वाले– बहुत मेहनती है हमारा लड़का, सुबह सात बजे से रात के एक बजे तक फेसबुक चलाता है...!

....

चार दोस्त होटल में खाना खाने के बाद बिल देने को लेकर आपस में उलझ पड़े...आखिर में तय हुआ कि जो होटल का चक्कर लगाकर सबसे पहले आएगा, वो बिल देगा।
मैनेजर ने सीटी बजाई, चारों भाग पड़े...
10 दिन हो गए, बेचारा मैनेजर आज भी उनके आने का इंतजार कर रहा है...!

....

पलटू– अंकल, मुझे पीएचडी की डिग्री मिल गई है, अब आप मेरा उधारी वाला खाता निकालो।
दुकानदार– अरे बहुत अच्छा, आज सारा हिसाब चुकता करोगे क्या?
पलटू– नहीं अंकल, बस खाते में मेरे नाम के आगे डॉक्टर लगा दो।
पलटू–की बात सुनकर दुकानदार ने लट्ठ उठाकर उसको जमकर कूटा।

....

मास्टर जी– पप्पू, तुम्हारे पड़ोस के दादाजी आजकल दिखाई नहीं दे रहे हैं...?
पप्पू– सर वो गुजर गए...!
मास्टर जी– अरे, क्या हुआ था उन्हें...?
पप्पू– वो टीवी पर योग सीखाने वाले बाबा को देखकर योगा कर रहे थे...!, मास्टर जी– अच्छा, फिर...?, पप्पू– बाबा ने निर्देश दिया गहरी सांस अंदर लो और जब मैं कहूं तब बाहर छोड़ना...
मास्टर जी– अच्छा फिर...?
पप्पू– फिर क्या अचानक लाइट चली गई और तीन घंटे बाद जब लाइट आई तब तक दादाजी चल बसे थे...!

....

साली– जीजू आपने सोचा है कि लोफर और ऑफर में क्या अंतर है?
जीजा– देखो साली साहिबा, अगर आप मुझे प्यार करने को बोलोगे तो वह ऑफर कहलाएगा
और मैं कहूं तो आप मुझे लोफर कहोगी।

नार्थ दिल्ली प्रोपर्टी स्पेशल
Anil Aggarwal 9212071455 | Sunil Aggarwal 9818514932 | Amit Aggarwal 9212171455
ANIL AGGARWAL PROPERTIES
SALE ❖ PURCHASE ❖ COLLABORATION ❖ KOTHIES ❖ PLOTS ❖ FLOORS ❖ FLATS ❖ OFFICES ❖ SHOPS
DEALS IN : PRASHANT VIHAR - PITAMPURA - ROHINI
Office : B-373, Near PVR Cinema, Prashant Vihar, Delhi-85
Ph.:011-47091011 E-mail: anilaggarwalproperties@gmail.com

सभी अखबारों में विज्ञापन छपवाने के लिए सम्पर्क करें
Matrimonial | Property / To-let | Education
Situation Vacant | Change of Name | Lost
Business | Public Notice | बेदखल सूचना
The Hindustan Times | नवभारत टाइम्स, हिन्दुस्तान
The Times of India | दैनिक जागरण, पंजाब केसरी
Indian Express | दैनिक भास्कर, संदेश, DLA
The Hindu | आज समाज, विराट वैभव
Statesman | राज ऐक्सप्रेस, जनसत्ता
Woman's Era | अमर उजाला, राष्ट्रीय सहारा
Tribune | गृहशोभा, गृहलक्ष्मी
Femina | सरिता, राजस्थान पत्रिका
PAAVAN ADVERTISER
D-4, Office No.3 & 4, Safeway House 1st Floor, Central Market, Prashant Vihar, Rohini (Opp. PVR) Delhi-85
E-mail:- paavanad@yahoo.com

V.K. Aggarwal
9311288839, 9811288839

मालिश से बनायें त्वचा को खूबसूरत

ऐसे प्रदूषित माहौल में अपनी चमक–दमक बनाये रखने के लिए आजकल की नारी क्या कोशिशें नहीं करती मगर सिर्फ मेकअप कर लेने से बात नहीं बनती। सिर्फ उबटन लगा लेने से त्वचा कांतिमय रहेगी, यह भी जरूरी नहीं। त्वचा को भी पोषण की जरूरत होती है। इसके लिए उसे मालिश चाहिए। अपनी त्वचा पर मालिश करके देखिए। फिर जो निखार सामने आयेगा, वह आपकी त्वचा को और भी ज्यादा खूबसूरत बना देगा।

मालिश के लिए किसी अच्छी क्रीम या लेप का इस्तेमाल करें।

सबसे पहले हाथों की दूसरी और तीसरी उंगलियों को होंठों के बाहरी किनारों की ओर रखकर गालों से लेते हुए कानों तक ले जाएं।

फिर दाएं हाथ की चारों उंगलियों को माथे के बीच में रखकर भौंहों को धीरे से ऊपर उठाते हुए मालिश करें और उंगलियों को कान की तरफ ले जाएं। इसी तरह बायें हाथ से करें।

मध्यमा और कनिष्ठा उंगलियों से माथे के दोनों ओर भौंहों के ऊपर अर्धवृत्ताकार मालिश करें। मालिश करते वक्त आंखों को हमेशा बंद रखें।

कनिष्ठा उंगली से हल्के दबाव से आंखों की पलकों और भौंहों के बीच अंदर की ओर से बाहर की ओर ले जाते हुए मालिश करें।

गर्दन और गले पर कई बार एक के बाद दूसरे हाथ से ठोडी से नीचे गर्दन की ओर ले जाते हुए मालिश करें। फिर गले पर करें।

हथेलियों को नीचे की ओर रखते हुए तर्जनी और मध्यमा उंगलियों से अपनी ठोड़ी को पकड़ें। तेजी से जबड़े के बाहरी भाग की ओर ले जाते हुए ठोड़ी की मालिश करें।

बीच की दोनों उंगलियों से गालों को ऊपर की ओर उठाते हुए ऊपर की दिशा की ओर मालिश करें।

दोनों हाथों की दूसरी और तीसरी उंगलियों से ठोड़ी, मुंह के ऊपरी भाग पर ऊपर, मध्य और नीचे की ओर लाते हुए मालिश करें।

कुछ अन्य जरूरी बातों का भी ख्याल रखें।

रात को माइल्ड सोप से चेहरा साफ करें।

सुबह टिश्यू पेपर से चेहरा साफ करें। यदि टिश्यू पेपर पर तेल की बूंदें बनी हों तो समझें कि आपकी त्वचा तैलीय है। यदि कहीं कहीं तेल की बूंदें हों तो आपकी त्वचा शुष्क और तैलीय त्वचा का मिलाप होगी। यदि कोई तैलीय बूंद नहीं बनती, तब आपकी त्वचा शुष्क होगी।

दिन में लगभग दस–बारह गिलास पानी जरूर पिएं।

हमेशा सनस्क्रीन लगाकर ही बाहर जायें।

संतुलित आहार लें।

सीजनल (मौसमी) फल लें।

नियमित दूध पिएं।

मेकअप हटाकर सोएं।

नरिशिंग क्रीम लगाकर सोएं।

– शिखा चौधरी

पावन संसार परिवार की ओर से जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं

Peehu Bansal
A-162, Ist Flr, Prashant Vihar
8 May

Akshay Kr. Jain
E-18/89-90, Sector-3, Rohini
8 May

Arya Tayal
C-169, UGF, Prashant Vihar
9 May

Raj Kumar Jain
1/7376, 2nd Floor, Street No.11, East Gorakh Park, Shahdra,
9 May

Naresh Jain
B-327, Prashant Vihar
10 May

Sushil Kr Mittal
289, Paschim Vihar Delhi
10 May

Rajinder Kr Goel
F-202, Sai Baba Apt Sec-9, Rohini
11 May

Sat Narayan Aggarwal
D-103, F.Flr, Prashant Vihar
12 May

Parminder Singh
B-38, Sunder Apt, Sec-14, Rohini
13 May

Sat Narayan Bansal
B-193, Lok Vihar, Pitampura
13 May

Deendayal Meena
6, Rajpur Khurd Delhi
13 May

Ishwar Singh Kadan
D-140, Prashant Vihar
15 May

फाटो उपलब्ध नहीं है।
Gyanender Singh
D-8, Prashant Vihar
15 May

Harish Chand Goel
B-305, Prashant Vihar
15 May

Raj Rani Goel
A-1/204, Rang Rasayan Apt., Sec-13, Rohini
15 May

फाटो उपलब्ध नहीं है।
Pawan Bajaj
B-61, Sheetal Apt, Sec-14, Rohini
15 May

Rakesh Bhardwaj
BU-32, F. Flr, Pitampura
15 May

Mange Ram Garg
FU-39, Pitampura
15 May

Dr. Seema Jain
A-1/5, Sec-8, Rohini
15 May

Ashok Kr. Garg
KP-236, Pitampura
16 May

Virender Gupta
D-10, Bhagwan Dass Nagar, East Punjabi Bagh
16 May

पावन संसार के आजीवन सदस्य/ सम्मानित सदस्य बनने के लिए सम्पर्क करें
9811288839, 9311288839

ताकि घर को मिले नया लुक

अपने घर को खूबसूरत और नया–नया बनाने की चाह किस गृहिणी को नहीं होती। प्रत्येक महिला यही चाहती है कि उसका घर नया–नया सा सबसे अलग दिखे। जो भी उसे देखे तो यही कहे कि क्या बात है?

त्योहरों और नववर्ष के मौके पर तो यह चाहत और भी बढ़ जाती है। घर को नया लुक कैसे दिया जाए? पूरे घर को तो ऐसे में बदला नहीं जा सकता, न ही हर साल हर आइटम बदला जा सकता है। घर को बदलना तो बेहद कठिन काम है किंतु सोफे के कवर, कुशन कवर, चादरें, परदें, तकियें आदि बदले जा सकते हैं। घर का पूरा फेब्रिक बदल देंगे तो घर में अपने आप नयापन आ जाएगा।

दरवाजों और खिड़कियों के परदे खरीदते समय ध्यान रखें कि वे न तो ज्यादा भारी हों और न ही ज्यादा हल्के बल्कि ऐसे हों जिससे घर के अंदर बाहर के मौसम का भी एहसास हो जाये। परदे जहां घर की प्राइवेसी बनाए रखते हैं वहीं सुंदरता भी बढ़ाते हैं। अपने घर पर परदे लगाते समय इस बात का भी ध्यान रखें कि ऐसे हों जिन्हें धोते समय आपको परेशानी भी न हो क्योंकि परदे भी जल्दी–जल्दी नहीं बनवाए जाते है।

परदों का कपड़ा अर्थात् फैब्रिक ऐसा चुनें जो आपके फर्नीचर, बेड कवर, कमरे के आकार इत्यादि से मैच करता हो। कमरे के अनुसार ही उसके परदे हों। वैसे तो पूरे घर के परदे एक समान हों तो बहुत अच्छा लगता है किंतु कुछ कंडीशन के अनुसार भी अच्छे लगते हैं जैसे बेडरूम में रेड कलर के परदे, ड्राइंग रूम में फूलपत्तीदार परदे तो डाइनिंग रूम में हरे रंग के परदे हों। इससे खुशनुमा एहसास घर में रहेगा।

कमरा चाहे कोई भी क्यों न हो किंतु परदे भारी वैलवेट के नहीं होने चाहिए। इससे इन्हें धोने–उठाने में परेशानी होगी। बच्चों के कमरे में कार्टून बाक्स या चेक इत्यादि के परदे ज्यादा अच्छे लगेंगे। बच्चों के कमरे में फ्रिल या रिबन लगे हुए परदे और भी सुंदर लगेंगे।

परदों के फैब्रिक में ऐसा चुनाव करें जो धोने–सुखाने में परेशानी न करें। टंगे हुए सुंदर लगें एवं घर में ताजगी का एहसास दिलायें। ज्यादातर लोग सिंथेटिक, साटिन, पापलीन, वैलवेट आद के परदे पसंद करते हैं। इसके अलावा सिल्क और मलमल आदि के परदे काफी पसंद किये जाते हैं। पारदर्शी परदों की अपनी रौनक है। जो लोग हल्की सी रोशनी भी पसंद करते हों उनके लिए पारदर्शी परदे बेहद बढ़िया रहते हैं। पारदर्शी परदे के आगे अन्य फैब्रिक का परदा भी लगा सकते हैं। जब चाहे उसे हटा सकते हैं।

परदे तो आपने बहुत बढ़िया खरीद लिए किंतु उन्हें ढंग से नहीं टांगा तो सुंदर लगने के बजाय फूहड़ लगेंगे। इसलिए परदों को सलीके से सिलवा कर ही टांगना चाहिए। यदि वे मोटे हैं तो उनमें प्लीट्स बनवाएं किंतु यदि वे हल्के हैं तो उनमें प्लीट्स की कोई आवश्यकता नहीं है।

अब आती है फर्नीचर की बारी। फर्नीचर भी हर तीसरे चौथे साल नहीं बदला जा सकता, इसलिए ध्यान रखें जब भी अपहोलस्ट्री यानी कि गद्दियां कुशन कवर आदि बदलें तो सोच समझकर ही उनके रंग, फैब्रिक आदि का चुनाव करें जिससे फर्नीचर को एकदम नया लुक मिले।

फर्नीचर में सबसे आगे नाम आता है सोफे का। अब सोफे को हर साल बदलवा भी नहीं सकते। लकड़ी के सोफे की वार्निश करवा सकते हैं। इससे उसे नयापन तो मिलता ही है, मजबूती भी मिलती है। सोफे का कपड़ा बदलवा सकती हैं जिससे उसे और मजबूती मिलती है। कुशन जहां सोफे की सुंदरता में इजाफा करते हैं वहीं बैठने में भी सहारा प्रदान करते हैं। जूट, रबर, फोम, और स्प्रिंग कुशंस आदि कई वैराहटी बाजार में उपलब्ध हैं। यह आपके बजट और आपकी पसंद पर निर्भर करता है कि आप क्या खरीदेंगी।

टेबल–मैट्स भी ड्राइंगरूम की खूबसूरती बढ़ाने में पीछे नहीं हैं। टेबल मैट भी सस्ते और महंगे हर तरह के बाजार में मौजूद है। एक सस्ते टेबल मैट को भी आप खूबसूरत लुक दे सकती है। टेबल मैट आपकी मेज को सुरक्षित तो रखता ही है, साथ ही उसकी शोभा भी बढ़ाता है।

परदे नये टंगवा लिए, सोफे के कवर भी नए बनवा लिए किंतु इनकी साफ–सफाई पर यदि ध्यान नहीं दिया जायेगा तो ये जल्दी ही पुराने लगने लगेंगे। इसलिए अपने घर को नया लुक देने के लिए उसकी साफ–सफाई को न भूलें।

– शिखा चौधरी

Ankit Goyal
9811924645
9873246969
Well Decovel Interiors
Architect | Interior Designer
Furniture Mfr. | Project Mgt. Consultant
(AS PER VAASTU)
Residential & Commercial
Office Cum Factory:
Ashok Vihar, Phase-1, New Delhi-110052
Follow ankitgoyal_interiordesigner

Since 2006
Arihant
a play school
Pardeep Jain
Admission Open
SUMMER BASH 2025
Summer Camp
AGE GROUP 3 TO 10 YEARS
1. MOBILE DE-ADDICTION PROGRAM
2. LIFE LESSONS FROM RAMAYANA
3. LIFE LESSONS FROM MAHABHARAT
4. MASTER THE ART OF PUBLIC SPEAKING
5. PLAY BASED LEARNING
6. FUN WITH CRAFT
7. MOVEMENT ON MUSIC
8. LANGUAGE LEARNING
9. LEADERSHIP SKILLS
10. VICTOEY OVER EXAM FEAR
11. EMOTIONAL INTELLIGENCE DEVELOPMENT
12. SHOW THINK AND TELL ACTIVITY
(Batch Start 15th May 2025)
Pkt C-7, Sec-7, Near Arya Samaj Mandir, Rohini, Delhi
Ph.: 011-49075222, M: 8527970978
www.arihantplayschool.com, Mail: arihantplayschool@yahoo.com

Mukul Aggarwal 9810099403
Prem Aggarwal 9810211880
PREM AGGARWAL PROPERTIES
(Since 1988) (Regd.)
Deals in : RESIDENTIAL | COMMERCIAL
INDUSTRIAL | PRE RENTED
Specialized in New Sectors Rohini
27 to 38 (26 Mtr to 400 Yds)
Deals in Haryana - Residential & Industrial Land
Office Address : Prashant Vihar, D-Block, Central Market & Sector-29, Rohini

3D-SPACE interiors
We shape your dreams
Ar./ Er. Shiv Shankar Bansal
M.Plan, B.Arch., B-Tech (Civil), AMIE (India), A.I.I.A, (Registered Valuer)
DELDGIAJNPB6323P
INCOME TAX, CYBER FORENSIC LAB
Assistant Professor in C.C.L.S, Sampla
9891390186, 7701825341
• ARCHITECTS
• CONSTRUCTION
• STRUCTURE CONSULTANTS
• TURNKEY SOLUTIONS
• INTERIOR DESIGNERS
• PROJECT MANAGEMENT CONSULTANCY
• REGISTERED VALUER
• VASTU
• 3D-VISULISER
C-8/49, Sector-8, Rohini, Near Metro Pillar No.380, Delhi-85
011-47071494, 46063516, 9211963244 (O)
3dspaceinteriors17@gmail.com www.3dspaceinteriors.com

पावन संसार परिवार की ओर से
Smt. Meenu Bansal
Bon Ascent Play School
C-Block, Prashant Vihar
को जन्मदिन 10 मई
की
हार्दिक शुभकामनाएं

दिल्ली–जयपुर हाईवे की हालत सुधरेगी, सुरक्षित होगा सफर

गुरुग्राम (सं.)। दिल्ली–जयपुर हाईवे (एनएच–8) के दिल्ली–गुड़गांव सेक्शन पर सड़क की हालत सुधरेगी। करीब 20 साल बाद इस हाईवे को अपग्रेड किया जाएगा। इस पर लगभग 245 करोड़ रुपये का अनुमानित खर्च होगा। इससे वाहन चालकों की राहत आसान होगी।

दिल्ली–जयपुर हाईवे पर रोजाना तीन लाख के करीब वाहनों की आवाजाही होती है। इस पर वाहनों का काफी ज्यादा दबाव रहता है। सड़क की हालत खराब होने की वजह से अक्सर जाम लगता है। इसी के मद्देनजर एनएचएआई ने इस हाईवे के सुधार का निर्णय लिया है। परियोजना निदेशक आकाश पाड़ी ने बताया कि गुड़गांव में औद्योगिक क्षेत्र का दायरा बढ़ने की वजह से इस हाईवे लोड काफी ज्यादा बढ़ गया है। इसके चलते करीब 42 किलोमीटर के हिस्से पर काफी दबाव रहता है। सड़क की हालत जर्जर है। गाड़ियों में झटके लगते हैं। इसकी वजह से कई हादसे हो चुके हैं।

माँ तो जन्नत का फूल है,
प्यार करना उसका उसूल है...
दुनिया की मोहब्बत फजूल है,
माँ की हर दुआ कबूल है...
माँ को नाराज करना
इंसान तेरी भूल है,
माँ के कदमो की मिट्टी
ज़न्नत की धूल है।।
Ishu Garg
18/73, West Punjabi Bagh, Delhi-110026
M: 9810514080

बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं
आप सभी को बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं
राष्ट्रीय ऑडिटर जनरल
भारत विकास परिषद्
अध्यक्ष
रोहिणी सेक्टर–14 सी सी वेलफेयर एसोसिएशन
अध्यक्ष
ग्रैंड रोहिणी क्लब
CA Sanjeev Miglani
9868234495
G-96, Arawali Kunj, Sec-13, Rohini, Delhi-85

माँ की मूरत में ही बसता है संसार,
उसके बिना जीवन है बेरंग और बेकार।
हर सांस में उसकी दुआ शामिल है,
हर सफलता में उसकी छाया शामिल है।
माँ के बिना कोई सपना पूरा नहीं होता।
हैप्पी मदर्स डे
RAVI ESTATE
Famous for Fair Dealings
Consultant of
Sale & Purchase
All Kinds of Property
Ravi Thakur
9810074859
9810074741
President
Help & Charity Foundation (Regd.)
322, Rajdhani Enclave, Pitampura, Delhi-110034

आप सभी को मदर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं
Pawan Goyal
Managing Director
प्रसिद्ध समाजसेवी
Res: 134-135, Vaishali, Pitampura, Delhi-34
M: 9810195733
JRG HOLDINGS PVT. LTD.
Regd. Office- DSM 410-411, DLF Towers, Shivaji Marg, New Delhi-15
Ph. : 011-49488500

पावन संसार परिवार की ओर से
Sh. Sanjay Gupta
F-35, Prashant Vihar
को जन्मदिन 12 मई
की हार्दिक शुभकामनाएं

HYPHEN
WIRES & CABLES
CONNECT 2 SAFETY
Happy Mother's Day
Lajpat Rai Bansal
MD
Hyphen Cable Pvt. Ltd.
निवास : 119, आनंद विहार, पीतमपुरा
9810624010
वरिष्ठ उप–प्रधान : श्री अग्रसेन इन्टरनेशनल हॉस्पीटल, रोहिणी
उप–प्रधान : नरेला इन्डस्ट्रीज वैलफेयर एसोसिएशन
संरक्षक : अग्रवाल सभा, प्रशान्त विहार
संरक्षक : सम्पूर्ण रामायण, पीतमपुरा
संरक्षक : श्री रामलीला कमेटी, पीतमपुरा
पैट्रन ट्रस्टी : श्री श्याम लगन आश्रय खाटूश्याम जी
ट्रस्टी : अग्रवाल सभा, पश्चिम विहार, त्रीनगर
ट्रस्टी : इस्कॉन, रोहिणी
ट्रस्टी : अग्रसेन आदर्श पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा
संस्थापक सदस्य : मॉर्निंग क्लब, डिस्ट्रिक्ट पार्क, पीतमपुरा
सदस्य : योग विज्ञान संस्थान, पीतमपुरा
सदस्य : अपेक्स चेम्बर एवं कॉमर्स फोर इन्डस्ट्रीज
सदस्य : जीन्द मैत्री संघ
सदस्य : हरियणा मैत्री संघ, पीतमपुरा
OUR PRODUCT RANGE:
• LT XLPE/PVC POWER CABLES
• DOMESTIC FLEXIBLE CABLES (HOUSE WIRE)
• MULTI CORE SUBMERSIBLE, ROUND FLEXIBLE & CONTROL CABLES
आप सभी को मदर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं
FR PVC INSULATED MULTI STRAND CABLES
Dealer Enquiry Solicited at
#99999 66639 | www.hyphencables.com | info@hyphencables.com | Hyphen Wires And Cables

पावन संसार परिवार की ओर से
Sh. Krishan Garg
A-5/12, Miyawali Nagar, Paschim Vihar
को जन्मदिन 12 मई
की हार्दिक शुभकामनाएं

पावन संसार परिवार की ओर से
Sh. Rai Chand Goel
206, Deepali Enclave, Pitampura
को जन्मदिन 13 मई
की हार्दिक शुभकामनाएं

पा व न वचन

नेत्र दान करें

सम्पादकीय

आतंक के ठिकानों पर सर्जिकल प्रहार : ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दिखाया नया राष्ट्र-संकल्प

बी.के. अग्रवाल
संपादक

पिछले सप्ताह जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले ने समूचे भारतवर्ष को शोक, आक्रोश और असहनीय पीड़ा में डाल दिया। इस हमले में निहत्थे और निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया, जिसमें कई लोगों की जानें गईं। यह एक बार फिर इस कटु सत्य की पुष्टि थी कि आतंकवाद अब भी भारत की एक बड़ी चुनौती है और इसके पीछे पाकिस्तान की सरपरस्ती किसी से छिपी नहीं है।

किन्तु इस बार देश ने एक अलग तेवर दिखाया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री श्री अमित शाह ने जनता को यह स्पष्ट संदेश दिया कि इस हमले का करारा और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। और फिर जो हुआ, वह इतिहास में भारत के आत्मरक्षा-संकल्प और सैन्य कौशल का स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया।

ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना द्वारा चलाया गया वह मिशन जिसमें पाकिस्तान के भीतर मौजूद आतंकियों के 9 ठिकानों को चिह्नित कर उन्हें पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। भारतीय वायुसेना और थलसेना के संयुक्त अभियान ने कराची और लाहौर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आतंकी शिविरों को मिसाइलों द्वारा तबाह कर दिया। यह महज एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, यह एक चेतावनी थी आतंक फैलाने वालों और उनके संरक्षकों के लिए।

भारत ने पहली बार न केवल सीमा पर जवाब दिया, बल्कि आतंक के मूल स्रोतों को पाकिस्तान की भूमि पर जाकर निष्क्रिय किया। इतना ही नहीं, पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम भी इस ऑपरेशन में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ, जिससे यह स्पष्ट संकेत गया कि भारत अब कोई भी खतरा मूकदर्शक बनकर नहीं झेलेगा।

यह मिशन एक और वजह से ऐतिहासिक है यह देश के हर नागरिक के आत्मबल और भरोसे की पुनर्स्थापना करता है। वर्षों तक आतंकवाद के विरुद्ध केवल निंदा और कूटनीति की बातें होती रहीं, लेकिन अब भारत ने दिखा दिया है कि यदि आवश्यकता पड़ी तो हम 'घर में घुसकर' जवाब देने की क्षमता और संकल्प दोनों रखते हैं।

भारतीय सेना की इस वीरता को देश का हर नागरिक शत-शत नमन करता है। यह अभियान हमारी सेना की सटीक योजना, तकनीकी दक्षता और अदम्य साहस का प्रमाण है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की दृढ़ता और स्पष्ट नीति भी सामने आती है आतंक के खिलाफ न कोई समझौता, न कोई सहनशीलता।आज, जब हम इस साहसिक कदम को देखते हैं, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि भारत अब एक बदला हुआ राष्ट्र है। एक ऐसा राष्ट्र जो अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सिर्फ शब्दों में नहीं, बल्कि कार्रवाई में विश्वास रखता है।

यह ऑपरेशन हर देशवासी के ह्रदय में गर्व, आश्वासन और आत्मसम्मान की भावना को और भी दृढ़ करता है। और यह आतंकवादियों और उनके सरपरस्तों को यह स्पष्ट संदेश देता है अब चुप नहीं बैठेंगे, अब हर वार का जवाब दुगुना होगा।

paavansansar@gmail.com

सभी अखबारों में विज्ञापन छपवाने के लिए सम्पर्क करें

Matrimonial | Property / To-let | Education | Situation Vacant | Change of Name | Lost | Business | Public Notice | बेदखल सूचना

The Hindustan Times — नवभारत टाइम्स, हिन्दुस्तान
The Times of India — दैनिक जागरण, पंजाब केसरी
Indian Express — दैनिक भास्कर, संदेश, DLA
The Hindu — आज समाज, विराट वैभव
Statesman — राज ऐक्सप्रेस, जनसत्ता
Woman's Era — अमर उजाला, राष्ट्रीय सहारा
Tribune — गृहशोभा, गृहलक्ष्मी
Femina — सरिता, राजस्थान पत्रिका

PAAVAN ADVERTISER
D-4, Office No.3 & 4, Safeway House 1st Floor, Central Market, Prashant Vihar, Rohini (Opp. PVR) Delhi-85
E-mail:- paavanad@yahoo.com

V.K. Aggarwal
9311288839,9811288839

दिल्ली में हाई अलर्ट, सभी अस्पतालों में डॉक्टर की छुट्टियां हो सकती है रद्द

नई दिल्ली (सं.)। भारत ने पहलगाम हमले का बदला पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करके लिया। इसके बाद से भारत और पाक के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इन हालातों के मद्देनजर राजधानी दिल्ली में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। दिल्ली में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस बीच खबर है कि दिल्ली के सभी अस्पतालों में डॉक्टर की छुट्टियां रद्द हो सकती है। सफदरजंग अस्पताल में कल से छुट्टियां शुरू हो गई है। एम्स और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में 16 मई से छुट्टियां शुरू हो रही है। वहीं, दूसरे अस्पतालों में भी डॉक्टरों की छुट्टियां होती हैं। इस दौरान आधे डॉक्टर छुट्टी पर रहते हैं। ऐसे में वर्तमान हालात को देखते हुए सभी अस्पतालों में डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द की जा सकती हैं।

आतंक पर मिसाइल स्ट्राइक से बौखलाया पाकिस्तान – पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार और बुधवार क दरम्यानी रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ढांचों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। पहलगाम आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारत ने आतंकियों को मिट्टी में मिला दिया है। जानकारी के मुताबिक, भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की। भारतीय सशस्त्र बलों इस ऑपरेशन को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया। भारत की कार्रवाई से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है।

पहलगाम हमले का बदला है श्ऑपरेशन सिंदूरश– ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के किसी भी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया है। इस बात का भी ध्यान रखा गया कि पाकिस्तान के आम नागरिकों और नागरिक संरचनाओं को कोई क्षति व हानि न पहुंचे। यह ऑपरेशन भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को दर्शाता है। भारतीय सशस्त्र बलों की इस कार्रवाई से आतंकवादी समूहों के खिलाफ एक कड़ा संदेश गया है। बता दें कि पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने धर्म पूछकर 26 पर्यटकों को मार डाला था। तभी से पाकिस्तान के खिलाफ भारत की ओर से बड़ी कार्रवाई की उम्मीद की जा रही थी।

भारत ने पाकिस्तान की नापाक साजिश को किया नाकाम – बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले पर भारतीय सेनाओं के करारे जवाब से बौखलाई पाकिस्तानी सेना ने गुरुवार रात को जम्मू, पठानकोट, उधमपुर और कुछ अन्य स्थानों पर सैन्य ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला करने की कोशिश की। भारतीय सेना ने इस हमले को नाकाम कर दिया। पाकिस्तान के साथ सीमा पर रात में हवाई निगरानी के दौरान अखनूर, सांबा, बारामुल्ला और कुपवाड़ा और कई अन्य स्थानों पर सायरन बजने और कई विस्फोटों की सूचना मिली।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 138 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द, देशभर में 27 हवाईअड्डे बंद

नई दिल्ली (सं.)। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर दिल्ली एयरपोर्ट पर शुक्रवार को 138 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को विभिन्न एयरलाइनों ने दिल्ली हवाई अड्डे से आने-जाने वाली 138 उड़ानें रद्द की हैं। हवाई अड्डों पर भी सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं।

समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर देश के विभिन्न भागों में लगभग 27 हवाईअड्डे बंद हैं। सूत्रों ने कहा है कि शुक्रवार को सुबह 5 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच दिल्ली एयरपोर्ट जाने वाली कुल 66 घरेलू और 63 आने वाली उड़ानों के साथ ही पांच अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान और 4 आगमन उड़ानें रद्द कर दी गईं।

डीआईएएल ने एयरलाइन और सुरक्षा कर्मचारियों के साथ सहयोग की अपील की – दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने एक एक्स पोस्ट में लिखा है कि दिल्ली हवाई अड्डे पर परिचालन सामान्य बना हुआ है। हालांकि, हवाई क्षेत्र की बदलती परिस्थितियों और सुरक्षा उपायों के कारण कुछ उड़ानों के समय पर असर पड़ सकता है। डीआईएएल ने यात्रियों को सुरक्षा चौकियों पर अतिरिक्त समय के लिए तैयार रहने और सुचारू प्रक्रिया के लिए एयरलाइन और सुरक्षा कर्मचारियों के साथ सहयोग करने की भी सलाह दी।

दिल्ली में बजा मॉक ड्रिल का सायरन, लोगों से शांति बनाए रखने की अपील

नई दिल्ली (सं.)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मुख्यालय, आईटीओ में एयर रेड सायरन का परीक्षण किया गया। परीक्षण से पहले जिला मजिस्ट्रेट (मध्य) द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कहा गया कि यह परीक्षण लगभग 15-20 मिनट तक चलेगा।

विज्ञप्ति में आम जनता से अनुरोध किया गया है कि वे इस दौरान शांति बनाए रखें और किसी भी प्रकार के दहशत से बचें। यह केवल एक नियमित परीक्षण है, जिसका उद्देश्य सिस्टम की कार्यकुशलता सुनिश्चित करना है।

जिला मजिस्ट्रेट (मध्य) जी. सुधाकर ने सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को भी इस परीक्षण के बारे में सूचित कर दिया है ताकि किसी भी प्रकार की भ्रम की स्थिति से बचा जा सके।

युद्ध कोई समाधान नहीं: मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड – भारत-पाकिस्तान युद्ध के बीच ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बड़ा बयान दिया है। बोर्ड ने जोर देकर कहा है कि युद्ध किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं है। देशों को बातचीत और कूटनीतिक तरीकों से अपने मामले सुलझाने चाहिए। आगे कहा कि वह हमेशा की तरह अपना ष्वक्फ बचाओ अभियानष् जारी रखेगा। लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए, इसकी सार्वजनिक बैठकें और कार्यक्रम अगले एक सप्ताह यानी 16 मई तक के लिए स्थगित किए जा रहे हैं।

सिंधु जल संधि मसले पर विश्व बैंक की भूमिका मध्यस्थ से ज्यादा कुछ नहीं, अध्यक्ष अजय बंगा का बयान

नई दिल्ली (सं.)। विश्व बैंक के प्रमुख अजय बंगा ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि में विश्व बैंक की मध्यस्थ बनने के अलावा कोई भूमिका नहीं है। बंगा ने यह भी स्पष्ट किया अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से समझौते के निलंबन को ठीक करने के लिए कोई कदम नहीं उठाएगा।

भारत और पाकिस्तान ने नौ साल तक बाचतीत के बाद 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इस संधि में विश्व बैंक की मदद ली गई थी। विश्व बैंक ने भी इस पर हस्ताक्षर किए थे। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने बंगा के हवाले से कहा, हमारी भूमिका केवल मध्यस्थ की है। मीडिया में इस बारे में बहुत अटकलें लगाई जा रही हैं कि विश्व बैंक किस तरह से इस समस्या का समाधान करेगा। यह सब बकवास है। विश्व बैंक की भूमिका केवल एक मध्यस्थ की है।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को हमला किया। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई, जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। इसके बाद भारत ने सिंधु जल संधि को तब तक के लिए निलंबित कर दिया, जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन देना बंद नहीं कर देता।

बंगा ने गुरुवार शाम राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके तुरंत बाद ऐसी अटकलें लगाई जाने लगीं कि विश्व बैंक मामले में दखल देगा। इसके अलावा, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने गुरुवार शाम इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान ने पिछले कई वर्षों में जानबूझकर कानूनी बाधाएं पैदा करके सिंधु जल संधि का बार-बार उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि यह भारत का ही धैर्य है कि पिछले 65 वर्षों से भारत संधि का पालन कर रहा है।

मिस्री ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, भारत लगातार सिंधु जल संधि में बदलाव पर चर्चा करने के लिए बातचीत करने की कोशिश कर रहा है। पिछले ढाई वर्षों से भारत पाकिस्तान सरकार के साथ संवाद कर रहा है। हमने संधि में संशोधन पर चर्चा करने के लिए बातचीत का अनुरोध करते हुए उन्हें कई नोटिस भेजे हैं। भारत छह दशकों से अधिक समय से संधि का सम्मान करता रहा है। यहां तक कि उस अवधि के दौरान भी भारत ने संधि का सम्मान किया, जब पाकिस्तान ने हम पर कई युद्ध थोपे थे। पाकिस्तान संधि का उल्लंघन कर रहा है, जानबूझकर भारत के लिए कानूनी बाधाएं पैदा कर रहा है, पश्चिमी नदियों पर अपने वैध अधिकारों का प्रयोग कर रहा है। यह भारत का ही धैर्य है कि इतने उकसावे के बाद भी हम पिछले 65 वर्षों से संधि का पालन कर रहे हैं।

आजादपुर सब्जीमंडी सबसे बड़ा ब्लैकस्पॉट, 2024 में यहां 11 लोगों की गई थी जान

नई दिल्ली (सं.)। वर्ष 2024 का दिल्ली का सबसे बड़ा ब्लैक स्पॉट आजादपुर सब्जी मंडी है। ब्लैक स्पॉट यानि वह जगह जहां एक वर्ष में सड़क दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। वर्ष 2024 में यहां 20 से ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं और इन सड़क दुर्घटनाओं में 11 लोगों की मौत हुई थी। हालांकि ये ब्लैक स्पॉट हर साल बदल रहा है। वर्ष 2023 में ब्लैक स्पॉट आईएसबीटी, कश्मीरी गेट के पास रिंग रोड था। दिल्ली यातायात पुलिस की ओर से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2024 में जो 10 सबसे बड़े ब्लैक स्पॉट हैं उनमें आजादपुर सब्जी मंडी पहले स्थान पर है।

इसके बाद दूसरे व अगले नंबर पर क्रमशरू वजीराबाद, अक्षरधाम मंदिर, आईएसबीटी कश्मीरी गेट, आनंद विहार आईएसबीटी, एसजीटी नगर रोड, रजौरी गार्डन, यशोभूमि के पास कंवेंशन सेंटर, भलस्वा चौक और लिवासपुर बस स्टैंड है। वजीराबाद में नौ, अक्षरधाम मंदिर, आईएसबीटी कश्मीरी गेट और आनंद विहार आईएसबीटी पर वर्ष 2024 में 8-8 लोगों की मौत हुई थी।

घायल के तौर पर ब्लैक स्पॉट को देखे तो आरोपी आजादपुर सब्जी मंडी में ही सड़क दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा लोग यानि 11 लोग घायल हुए थे। वर्ष 2023 में सबसे ज्यादा बड़ा ब्लैक स्पॉट आईएसबीटी कश्मीरी गेट-रिंग रोड था। यहां पर 19 सड़क दुर्घटनाओं में 7 लोगों की मौत हुई थी और 12 लोग घायल हुए थे। वर्ष 2022 में ब्लैक स्पॉट मुकरबा चौक था। यहां पर 23 सड़क दुर्घटनाओं में 12 लोगों की मौत हुई थी।

इसे कहते हैं ब्लैक स्पॉट – दिल्ली यातायात पुलिस के उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि जिस जगह पर सड़क दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा लोगों की मौत होती है उस जगह को ब्लैक स्पॉट कहते हैं। उन्होंने बताया कि इन जगहों पर फिर सड़क दुर्घटना के कारणों को पता लगाया जाता है और उन वजहों का निदान किया जाता है।

ये हैं कारण – आजाद पुर सब्जी मंडी-2024 यहां पर काफी मात्रा में ट्रक आते हैं। साथ ही मंडी के अंदर, बाहर व रोड पर वेंडर भी दुकान लगाते हैं। इस कारण यहां हमेशा जाम रहता है। इस कारण यहां पर ट्रक से ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं होती हैं।

आईएसबीटी रिंग रोड-2023 – पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि पहले रिंग रोड से बसें बस अड्डे में जाने के लिए अचानक बाएं मुड़ती थी। बाएं मुड़ने के दौरान बाइक सवार व पैदल यात्री बसों की चपेट में आ जाते थे। साथ ही वाहनों की रफ्तार भी ज्यादा रहती थी। सड़क दुर्घटनाओं के कारणों का पता कर अब फ्लाईओवर से बसों के बस अड्डे के अंदर जाने के लिए अलग से लाइन बना दी गई है। अब बसें रिंग रोड पर नहीं आती हैं।

भलस्वा चौक – बाहरी दिल्ली में भलस्वा चौक ऐसी जगह है जो हर साल ब्लैक स्पॉट बनती है। भलस्वा चौक ब्लैक स्पॉट के मामले में वर्ष 2024 में 9, वर्ष 2023 में सात और वर्ष 2022 में छठे स्थान पर था।

दिल्ली में सभी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्दः भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच फैसला, इंडिया गेट कराया गया खाली

नई दिल्ली (सं.)। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव को देखते हुए दिल्ली सरकार ने सभी अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी है। सेवा विभाग के विशेष सचिव डॉ. अजय कुमार बिष्ट के तरफ जारी आदेश में कहा गया है कि मौजूदा स्थिति और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की तैयारियों को देखते हुए, सक्षम प्राधिकारी ने निर्देश जाता है कि अगले आदेश तक दिल्ली सरकार के किसी भी अधिकारी/कर्मचारी को छुट्टी नहीं दी जाएगी।

इंडिया गेट कराया गया खाली – वहीं सुरक्षा के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने इंडिया गेट को खाली करा दिया है। कई लोग रात को इंडिया गेट पर टहल रहे थे। पुलिस ने बकायदा स्पीकर पर घोषणा कर सभी लोगों को अपने-अपने घर जाने को कहा।

IGI एयरपोर्ट पर 135 उड़ान रद्द – इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआई) एयरपोर्ट पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद से बृहस्पतिवार तक 135 उड़ानें रद्द की गईं और 193 से ज्यादा उड़ानों में विलंब हुआ। बृहस्पतिवार को विभिन्न एयरलाइंस द्वारा 90 उड़ानें रद्द कर दी गईं। इनमें पांच अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान और छह अंतरराष्ट्रीय आगमन शामिल हैं।

खुद को एक सोने के सिक्के जैसा बनाइये, जो कि अगर नाली में भी गिर जाए तो भी उसकी क़ीमत कम नहीं होती है..!!
गणपत गोयल
सुप्रसिद्ध समाजसेवी
पंजाबी बाग

जागरूक पाठकों के लिए

आप अपने आप-पास होने वाली घटनाओं की जानकारी, स्थानीय समस्याओं पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराना चाहते हैं, इसके लिए साप्ताहिक समाचार पत्र "पावन संसार" आपका स्वागत करता है। हमें लिख भेजें अपने विचार उन्हें आम और खास आदमी तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

सम्पादक – वीरेन्द्र कुमार
फोन : 9311288839, 9811288839
ई-मेल : paavansansar@gmail.com
पता – पावन संसार : डी-4, फर्स्ट फ्लोर, ऑफिस नं. 4, सैन्ट्रल मार्किट, प्रशान्त विहार (रोहिणी), नजदिक पीवीआर सिनेमा, दिल्ली-110085

गरमी में लें पूरी ताजगी

यूं तो गरमी का मौसम तेज धूप, गरम हवा एवं हीट स्ट्रोक का संग्रह है किंतु कई ऐसी चीजें भी हैं जो इस मौसम को खुशनुमा बना सकती हैं। जूस, कूल शेक्स, ठंडे पेय पदार्थ एवं सलाद आदि के साथ कुछ फल जैसे कि आम, आडू, आलू–बुखारा, खरबूजा व तरबूज आदि से गरमी में काफी राहत मिलती है।

गरमियों में हमारे शरीर से अधिक पसीना निकलने के कारण शरीर में सोडियम की कमी हो जाती है। ऐसे में पानी के अतिरिक्त ठंडे पेय पदार्थों का सेवन करना स्वाद के साथ–साथ हमारी सेहत के लिए फायदेमंद रहता है। बाजारू कोल्ड ड्रिंक अधिक मात्राा में पीते रहने से मोटापा बढ़ता है। बाकी ठंडे पेय पदार्थ इतना नुकसान नहीं पहुंचाते बल्कि वे आपकी गरमी को कम करते हैं। आप घर में ही स्वादिष्ट पेय पदार्थ बनाकर अपने मेन्यू को स्वादिष्ट एवं फायदेमंद बना सकती हैं।

गरमी के मौसम में खुद को बिलकुल फिट रखना है तो जूस और फ्रूट शेक एकदम सही हैं। ये सेहत भी बढ़ाते हैं और स्वाद भी। बेल, नींबू पानी, चना–सत्तू, आम पना, जीरे व हींग से बनी लस्सी, नारियल पानी, खीरा व पुदीने का सूप, ठंडाई आदि अच्छे ठंडे पेय पदार्थ हैं। हमारे पारंपरिक पेय पदार्थ जैसे कि चना–सत्तू एवं छाछ आदि में ज्यादा इलेक्ट्रोलाइट्स एवं मिनरल आदि होते हैं एवं मिनरल आदि होते हैं।

पानी से बेहतर तो गरमियों में कुछ है ही नहीं। पानी हमारे शरीर को रिहाइड्रेट करता है इसलिए गरमी में ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं। पानी के अलावा कुछ अन्य ठंडे पेय पदार्थ जैसे ठंडे सूप, ताजे फलों का रस गरमी में ताजगी प्रदान करते हैं। चुटकी भर नमक, काला नमक एवं चाट मसाले के साथ तो इनका सेवन स्वाद तो बढ़ाता ही है बल्कि पेट के लिए भी फायदेमंद रहता है। इसके अलावा हरी चाय, जीरा, धनिया–पानी आदि गरमी तो कम करते ही हैं, साथ ही वजन भी कम करते हैं।

शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी गरमियों में कम हो जाती है। इस मौसम में हमारा शरीर बीमारियों से लड़ने में कमजोर हो जाता है। इसलिए अपने खान–पान पर ध्यान देना और भी जरूरी हो जाता है। ऐसे में हरी सब्जियां जैसे पालक, नींबू, धनिया, घीया व लहसुन का सेवन लाभकारी होता है। ये सभी एंटी–आक्सीडेंट होते हैं जिससे सभी तरह के मिनरल, विटामिन एवं पानी की पूर्ति हो जाती है।

खीरा, तरबूज, खरबूजा, संतरा, मौसमी शहतूत आदि कुछ ऐसे फल हैं जो शरीर को गरमी के मौसम में राहत देते हैं। इनका प्रयोग चाट, सलाद सूप या चटनी आदि में करके अपने भोजन में शामिल किया जा सकता है। गरमियों में अधिक तले–भुने एवं मसालेदार मिर्च वाले भोजन से परहेज करें।

ठंडे व हेल्दी पदार्थ

पुदीना :– अच्छी खुशबू एवं फ्लेवर के लिए इसको जाना जाता है किन्तु पेट व पाचन क्रिया के लिए इसका महत्त्व और भी बढ़ जाता है। पुदीने वाली चाय से ताजगी मिलती है। इससे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है एवं पाचनक्रिया सही रहती है।

बेल :– गरमियों में न सिर्फ लू से बचाता है बल्कि भूख भी बढ़ाता है। यह पाचन–क्रिया के लिए बेहद फायदेमंद है। बेल में 60 प्रतिशत पानी होता है जो कि गरमी की मार से बचाने में बेहद सहायक है। इसके अलावा इसमें विटामिन–बी काम्पलेक्स, आयरन, कैल्शियम एवं फॉस्फोरस भी होता है।

कच्चा आम :– यह स्वाद में तो खट्टा होता है किंतु इसमें विटामिन सी प्रचुर मात्राा में होता है। यह भूख भी बढ़ाता है और त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है।

नींबू :– यह भी स्वाद में खट्टा होता है किंतु विटामिन सी का सबसे अच्छा स्रोत है। यह एक अच्छा एंटी–आक्सीडेंट भी है।

तरबूज :– यह विटामिन सी एवं विटामिन ए का स्रोत है। यह अस्थमा, डायबिटीज, आर्थराइटिस आदि रोगों में लाभकारी है। यह कोलेस्ट्रॉल फ्री होता है। इसमें 90 प्रतिशत जल की मात्राा होती है। इसलिए इसे गरमियों में सबसे ज्यादा फायदेमंद कहा जाता है।

नारियल पानी :– यह कोलेस्ट्रोल फ्री एवं कम वसायुक्त होता है। इसमें विटामिन बी एवं एस्कॉर्बिक एसिड काफी मात्राा में होता है। शरीर में मिनरल्स की पूर्ति करता है। शरीर को ठंडक देता है। शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकालता है। त्वचा को भी सुंदर बनाता है। है न कितना फायदेमंद।

– शिखा चौधरी

प्राकृतिक तरीके से फिट रहने के कुछ मंत्र

आर.पी. चौहान
सह–संपादक

– फल खाने से पहले, खाने के साथ या खाने के बाद में न खाएं। फल एक समय के भोजन के स्थान पर खाएं।

– फल हमेशा एक समय पर एक ही तरह का खाएं। जैसे सेब, केला, संतरा एक साथ दो से तीन खा सकते हैं पर एक एक मिला कर साथ में न खाएं।

– जितना श्रम करें, उतना ही खाना खाएं ।

– खाना भूख लगने पर ही चबा चबा कर खाएं।

– पानी भी प्यास लगने पर पिएं, एकदम पूरा गिलास पानी इकट्ठा न पिएं थोड़ा थोड़ा कर पिएं। जरूरत से ज्यादा पिया पानी किडनी पर लोड डालता है।

– सलाद में अलग अलग कच्ची सब्जियां मिलाकर खाएं। इन्हें भी खाने के साथ, खाने से पहले या खाने के बाद न खाएं। दो खानों के बीच में स्नैक की तरह सलाद का सेवन करें।

– सलाद में अलग से किसी प्रकार का नमक या नींबू न मिलाएं। सलाद वाली चीजें अल्कलाइन होती हैं। नींबू और नमक में एसिड होता है।

– सब्जियां और फल मिलाकर न खाएं। इकट्ठा खाने से इन्हें पचाने में परेशानी हो सकती है क्योंकि फल एसिडिक होते हैं और सब्जियां अल्कलाइन।

– खाने में अल्काइन चीजें अधिक खाएं और एसिडिक चीजें कम क्योंकि अगर शरीर में एसिड ज्यादा हो तो एसिडिक चीजें खाने से यूरिक एसिड बढ़ता है और त्वचा संबंधी इंफेक्शन ज्यादा होते हैं।

– हो सके तो दिन की शुरूआत नारियल पानी व सफेद पेठे के रस से करें।

– पका हुआ भोजन एक बार लेना अति उत्तम होता है। रात्रि में पका हुआ भोजन जल्दी 6 से 7 बजे तक कर लें तो लाभ पूरा मिलता है। देर रात्रि में पका भोजन लेने से पाचन प्रक्रिया को बहुत मेहनत करनी पड़ती है और पूरा पचता भी नहीं है।

– बैठने और सोने का स्थान सख्त होना बेहतर होता है। अधिक नर्म गद्दे या कुर्सी की गद्दी शरीर के लिए ठीक नहीं।

– सैर, व्यायाम नियमित करें और पौष्टिक आहार सीमित मात्राा में लें फिर हमें सप्लिमेंट लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती। अपने तन–मन पर नियंत्राण जरूरी है।

– अधिक चटपटा, मसालेदार भोजन शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

– सप्ताह में एक दिन ,एक समय अपनी मर्जी का सीमित मात्राा में खाएं ताकि शरीर को तरसाहट न सहनी पड़े।

– 15 दिन में कम से कम एक उपवास रखें। उस दिन फल, सब्जियों, नारियल पानी,छाछ आदि लें। अगर फिर भी भूख लगे तो हल्की खिचड़ी सब्जियों वाली लें।

– सूरज की रोशनी प्रातःकाल के समय 20 मिनट तक लें ताकि विटामिन डी की कमी न होने पाए।

– नींद पूरी लें। मन में रचनात्मक और सकारात्मक विचार लाएं ताकि व्यस्त रहें।

– प्राणायाम, योगासन, ध्यान के लिए समय अवश्य निकालें ताकि मन–मस्तिष्क शांत रहे।

– खुश रहें। वातावरण में खुशी फैलाएं ताकि खुशी वाली सकारात्मक ऊर्जा आपको वापिस मिल सके।

– किसी जरूरतमंद की मदद हो सके तो अवश्य करें।

– अपनी जुबां मीठी रखें। जो बोलें तोल कर बोलें। दूसरों को अपनी भाषा से आहत न करें।

गैस्ट्रिक से बच सकते हैं आप भी

खान पान और जीवनशैली में कुछ बदलाव आते ही कई बीमारियां आपके शरीर में चुपके से प्रवेश कर जाती हैं जिनका पता कुछ देरी से लगता है। कभी कभी कुछ बीमारियां शरीर के लिए अत्यंत दुःखदाई बन जाती हैं।

खानपान की तब्दीली का सबसे अधिक असर पेट पर पड़ता है जिससे शरीर में कई तरह के अम्ल बनने शुरू हो जाते हैं और गैस्ट्रिक (बदहजमी) का शिकार होते अधिक समय नहीं लगता।

ऐसे में बाजार से उपलब्ध दवाइयां लेकर खुद डाक्टर न बनें। बेहतर है समय पर डाक्टरी परामर्श लेकर दवा शुरू कर दें। दवा के साथ इस समस्या से निपटने के लिए अपने खान–पान की ओर भी पूरा ध्यान दें। जिस खान पान में बदलाव लाए हैं उन्हें फिर से हल्का करें और अपने आप को बदहजमी से दूर रखें।

– ऐसे में अधिक वसायुक्त भोजन न करें।

– विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन बहुत कम करें जैसे संतरा, नींबू, टमाटर आदि।

– काफी और चाय का सेवन भी न के बराबर करें। चाय पीने के अधिक आदी होने पर पहले पानी पिएं, फिर चाय ठंडी करके पिएं।

– भोजन करते समय पानी का प्रयोग यथासंभव बहुत कम मात्राा में करें।

– मुख्य रूप से दो बार भरपेट भोजन खाने की बजाय दिन में चार पांच बार थोड़ी मात्राा में खाएं।

– रात्रि को भोजन सोने से दो–तीन घंटे पहले करें। रात्रि भोजन करने के तुरंत बाद न लेटें।

– अधिक वजन वाले लोगों को व्यायाम करके और लगातार सैर करके अपना वजन नियंत्राण में रखना चाहिए।

– नशीली वस्तुओं का इस्तेमाल न करें जैसे शराब, सिगरेट, तंबाकू, पान मसाला और बीड़ी आदि।

– चाकलेट का प्रयोग अपने भोजन से हटा देने में आपकी भलाई है।

– शीतल बोतलबंद पेय पदार्थों का इस्तेमाल कम से कम करें।

– सोते समय मन को शांत रखें जिससे आप अच्छी नींद ले सकें।

– जीवन को नीरस न बनाकर मनोरंजन के विभिन्न तरीकों से जीवन में रस बनाए रखें।

– कोई अन्य बीमारी होने पर डाक्टर को अपनी गैस्ट्रिक समस्या के बारे में अवश्य बताएं क्योंकि ऐसे में कुछ दवाइयां अधिक अम्ल बनाने में सहायक होती हैं।

– जिस बिस्तर पर आप सोने जा रहे हैं, सिर वाली जगह को 5 या 6 इंच ऊंचा रखें। सिर की ओर बिस्तर के नीचे ईंट या लकड़ी के टुकड़े रख सकते हैं।

इस प्रकार दवा के साथ अपनी जीवनशैली और खानपान में अवश्य बदलाव लाएं, तभी आप इस रोग से छुटकारा पा सकते हैं।

– नीतू गुप्ता

पानी अनुपम औषधि है

पानी जीवन का एक अनिवार्य तत्व है। पानी शरीर का भोजन भी है और औषधि भी है। प्यासे के लिए पानी अमृत है। पानी जीवन है।।

पानी में अनेक रोगों के निवारण की शक्ति निहित है इसीलिए प्राकृतिक चिकित्साशास्त्रा में मिट्टी पानी के इलाज पर काफी जोर दिया जाता है। पानी सर्व–सुलभ उत्तम दवा है। जलने की दशा में जले हुए भाग को तुरंत थोड़ी देर के लिए पानी में डुबोये रखने से फफोले नहीं पड़ते और जलन भी मिट जाती है। जले को ठीक करने में पानी बहुत कारगर औषधि सिद्ध होता है।

ठण्डे पानी की पट्टी तीव्र ज्वर को उतारने में सहायक होती है। बुखार में अधिक पानी पीना अच्छा रहता है। अधिक पानी पीने से मूत्रा रोग होने की संभावना नहीं रहती। पानी गुर्दे को स्वच्छ और क्रियाशील बनाता है जिससे पथरी बनने की संभावना समाप्त हो जाती है।

पानी पेट के रोगों को दूर करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्याप्त पानी का सेवन करने वालों को प्रायः कब्ज का रोग नहीं होता। प्रातः काल तांबे के पात्रा में रखा हुआ पानी नियमित पीने से उदर के रोग मिटते हैं और मानसिक शान्ति प्राप्त होती है। प्रातः काल कुनकुने पानी में नींबू और शहद मिलाकर नियमित पीने से जहां कब्ज से छुटकारा मिलता है, वहीं त्वचा में निखार आता है।

गर्मी के दिनों में पेट में समुचित पानी की मात्राा रहने से लू लगने की संभावना नहीं रहती। गर्मियों में पानी की कमी से डिहाइड्रेशन की बीमारी होने का खतरा अधिक रहता है। उल्टी, दस्त होने पर पानी की पर्याप्त मात्रा शरीर में पहुंचनी चाहिए, इसीलिए उल्टी–दस्त में जीवन रक्षक घोल देने का आग्रह किया जाता है जिससे पानी की आवश्यक मात्राा शरीर में बनी रहे।

गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को शिशु और अपने स्वास्थ्य की दृष्टि से पर्याप्त मात्राा में पानी पीना चाहिए। फलों का जूस और दूध आदि 3–4 बार लेना ऐसी महिलाओं के लिए फायदेमंद रहता है। इन तरल पदार्थों से भी पानी की पर्याप्त मात्राा उनके शरीर में पहुंच जाती है।

पानी ऐसी औषधि है जिसका सेवन करने के साथ बाह्य उपयोग भी किया जाता है। श्रम की थकान से पैरों में होने वाले दर्द को नमक पड़े गर्म पानी से दूर किया जा सकता है। टब में नमक मिला हल्का गर्म पानी भरकर थोड़ी देर उसमें पैर डुबोने से पैरों के दर्द में राहत मिलती है। आंख में कुछ गिर जाने पर पानी की सहायता से उसे निकाला जा सकता है। नियमित स्नान करने से शरीर के छिद्र खुल जाते हैं और शरीर स्वस्थ रहता है।

प्राकृतिक चिकित्सा में पानी जल नेति, कुंजर, एनीमा आदि क्रियाओं में प्रयोग किया जाता है। इन क्रियाओं से पानी द्वारा अंदर के अंगों को शुद्ध किया जाता है। शरीर की बाह्य और आंतरिक शुद्धता ही स्वास्थ्य की पहली शर्त है। पानी इस शुद्धता का आधार है।

– कमलेश रानी

नोट– पावन संसार में स्वास्थ्य संबंधी बताए गये तरीकों को अपनाने से पहले किसी योग्य चिकित्सक/वैद्य की सलाह अवश्य लें। इनको उपयोग में लाने से किसी भी प्रकार की क्षति के लिए पावन संसार जिम्मेदार नहीं होगा।

संपादक

देश का ट्रांसपोर्टर हर सेवा देने को तैयार, कैट तय करेगा आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति

नई दिल्ली (सं.)। भारत–पाकिस्तान में चल रहे तनावपूर्ण माहौल के बीच देश का हर वर्ग केंद्र सरकार और भारतीय सेना के साथ डटकर खड़ा हो गया है। सभी लोग अपनी सेवाएं देकर इस माहौल में अपने देश को मजबूत करने में जुट गए हैं। ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने कहा है कि उनके सभी ट्रक सेना का हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं। कैट ने भरोसा जताया है कि इस आपातकाल में देश में किसी भी आवश्यक वस्तु की कमी नहीं होने दी जाएगी।

केंद्र सरकार ने देश को भरोसा दिलाया है कि इस समय देश की आवश्यकता की हर सामग्री उचित मात्रा में उपलब्ध है और किसी भी वस्तु की उपलब्धता को लेकर कोई संकट नहीं है। सरकार ने लोगों से यह भी अनुरोध किया है कि वे किसी भी वस्तु का अनावश्यक संग्रह न करें। इससे वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में परेशानी होती है।

ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर ने कहा है कि इस संकट के समय में वे देश की हर संभव सेवा देने के लिए तैयार हैं। देश के किसी हिस्से में किसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने से लेकर बॉर्डर पर रसद या कोई अन्य सामग्री पहुंचाने की बात हो, उनके संगठन से जुड़ा हर ट्रांसपोर्टर अपनी सेवाएं देने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि वस्तुओं के आवागमन को लेकर किसी भी तरह की समस्या नहीं आने दी जाएगी और सरकार के एक कॉल पर वे हर प्रकार की सेवा देने के लिए तैयार हैं।

व्यापारियों के संगठन कैट ने भी देश को आश्वस्त किया है कि इस आपातकाल में किसी भी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित नहीं होने दी जाएगी। सभी व्यापारियों ने तय किया है कि इस आपातकाल में किसी भी वस्तुओं के मूल्य में अनावश्यक बढ़ोतरी नहीं होने दी जाएगी जिससे देश के सामान्य नागरिक या सेनाओं को किसी वस्तु की कमी न पड़े।

घबराने की जरूरत नहीं, तेल कंपनियों ने? कहा– पर्याप्त स्टॉक, खरीदने की जल्दबाजी न करें

नई दिल्ली (सं.)। भारत की सबसे बड़ी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने शुक्रवार को एक बयान में कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल और कुकिंग गैस एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धतता है। ऐसे में लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन का यह बयान ऐसे समय आया है, जब सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट की बाढ़ आई हुई है, जिनमें लोग पेट्रोल पंपों के बाहर लाइन लगाकर खड़े हैं।

भारत–पाकिस्तान में संघर्ष बढ़ने की आशंका – पाकिस्तान की सीमा से लगते राज्यों में खासकर पेट्रोल डीजल को लेकर ज्यादा घबराहट है और लोग ईंधन की खरीददारी के लिए पेट्रोल पंप के बाहर लाइनें लगा रहे हैं। आईओसी ने कहा, शांत रहकर और अनावश्यक भीड़ से बचकर हमें बेहतर सेवा देने में मदद करें। इससे हमारी आपूर्ति लाइनें निर्बाध रूप से चलती रहेंगी और सभी के लिए निर्बाध ईंधन पहुंच सुनिश्चित होगी।श 8–9 मई की रात को पाकिस्तान की सेना द्वारा भारत के कई शहरों पर ड्रोन और मिसाइल हमले की नाकाम कोशिश की गई। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के हमले को नाकाम कर दिया। इसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के कई शहरों में रडार सिस्टम को तबाह कर दिया। पूरी पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान द्वारा कई हमले किए जाने के बाद जम्मू–कश्मीर और पंजाब के कई शहरों में ब्लैकआउट लागू कर दिया गया। स्थिति को देखते हुए भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है।

भारत ने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर किया था हमला – भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए बुधवार को पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किए थे। भारत की कार्रवाई में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है। भारत ने हमले में पाकिस्तानी सेना या आम नागरिकों के ठिकानों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। हालांकि पाकिस्तान ने आतंकियों के साथ खड़े होने का फैसला किया और भारत के कई शहरों पर हमले की कोशिश की, लेकिन भारतीय सेना के आगे उसकी एक न चली और उसके सारे हमले विफल कर दिए गए। इसके बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के कई शहरों में रडार सिस्टम तबाह कर दिए।

भारत में सैटेलाइट इंटरनेट लाने की तैयारी में स्टारलिंक को मिली मंजूरी, मिलेगी तेज इंटरनेट सेवा

नई दिल्ली (सं.)। सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाएं शुरू करने के लिए सरकार ने एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को सशर्त मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी सरकार की नई सख्त शर्तें लागू होने के ठीक एक दिन बाद मिली है, जिसमें डाटा स्थानीयकरण, सुरक्षा जांच और स्थानीय विनिर्माण जैसी अनिवार्यताएं शामिल हैं।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी शर्तों को मानने के बाद स्टारलिंक को लेटर ऑफ इंटेंट यानी शुरुआती मंजूरी दे दी है। 2022 में कंपनी ने जीएमपीसीएस लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। स्टारलिंक को ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाई सैटेलाइट (जीएमपीसीएस) लाइसेंस मिलने की प्रक्रिया का अंतिम चरण भारत में पार करना है। कंपनी को सैटेलाइट इंटरनेट सेवा का डेमो करना होगा। स्टारलिंक को देशभर में ग्राउंड स्टेशन लगाने होंगे, जो सैटेलाइट्स को स्थानीय नेटवर्क से जोड़ेंगे। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन व प्राधिकरण केंद्र से नेटवर्क क्षमता की मंजूरी भी लेनी होगी। मार्च में स्टारलिंक की मूल कंपनी स्पेसएक्स ने एयरटेल व जियो के साथ साझेदारी की थी, ताकि उनके स्टोर्स के जरिये स्टारलिंक उपकरण बेचे जा सकें व सेवाओं को स्कूल, अस्पताल व बिजनेस सेंटर तक पहुंचाया जा सके।

क्या है सैटेलाइट इंटरनेट – सैटेलाइट इंटरनेट में एक सैटेलाइट डिश और मॉडेम होते हैं। जब यूजर्स कोई वेबसाइट खोलता है तो यह रिक्वेस्ट पहले सैटेलाइट डिश से एक सैटेलाइट तक भेजा जाता है। रिक्वेस्ट को धरती पर स्थित नेटवर्क ऑपरेशन सेंटर पर भेजा जाता है। यह सेंटर इंटरनेट से जुड़ा होता है। यहां से जरूरी डाटा एकत्र कर सैटेलाइट के जरिये वापस यूजर्स की डिवाइस तक भेजा जाता है। यह डाटा यूजर्स की डिश पर आता है फिर मॉडेम इसे डिकोड करता है व इसे यूजर्स के डिवाइस तक पहुंचाता है।

स्टारलिंक की सेवा से यह होगा फायदा – गांवों में बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई मिलेगी।

किसान मंडी और मौसम की जानकारी ले पाएंगे।

ग्रामीण क्लिनिक ऑनलाइन डॉक्टर से जुड़ सकेंगे।

गांवों की जो आबादी अभी इंटरनेट पहुंच से दूर है, वहां पर सेवा मिलेगी।

जहां टावर और केबल नहीं हैं, वहां भी इंटरनेट सेवा मिलेगी।

आंधी, बारिश और ओले में भी ठप नहीं होगी सेवा – अत्यधिक ठंड, गर्मी, ओले, भारी बारिश और यहां तक कि आंधी को भी झेलने के साथ स्टारलिंक कठोर और गंभीर मौसम में दूरदराज के इलाकों में भी कनेक्ट रह सकता है। यह खास तौर पर ग्रामीण और कम सेवा वाले इलाकों के लिए उपयुक्त है, जहां फाइबर या केबल जैसी पारंपरिक इंटरनेट सुविधा नहीं या कम हैं। पारंपरिक उपग्रह सेवाओं के विपरीत स्टारलिंक दुनिया के सबसे बड़े निम्न पृथ्वी कक्षा या एलईओ नक्षत्र उपग्रहों (पृथ्वी से 550 किमी ऊपर) का उपयोग करता है। एलईओ उपग्रहों का यह नक्षत्र अभी 7,000 है लेकिन आगे चलकर इसके 40,000 से अधिक होने की संभावना है।

आगे ऐसे बढ़ेगी प्रक्रिया – स्टारलिंक को समझौते की शर्तों पर करना होगा व लाइसेंस प्राप्त करने के लिए निर्धारित प्रवेश शुल्क का भुगतान करना होगा। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण सैटकॉम स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन के मूल्य निर्धारण पर अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देने के कगार पर है और इसकी घोषणा किसी भी दिन हो सकती है।

क्या है स्टारलिंक और कैसे काम करता है?– स्टारलिंक, अमेरिकी कंपनी स्पेसएक्स का प्रोजेक्ट है, जिसे 2002 में दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क ने शुरू किया था। स्टारलिंक का मकसद दुनिया के हर कोने में हाई–स्पीड, कम लेटेंसी वाला इंटरनेट पहुंचाना है, वो भी सैटेलाइट के जरिए।

एलईओ सैटेलाइट से मिलेगा तेज इंटरनेट – स्टारलिंक बाकी पारंपरिक सैटेलाइट सेवाओं से अलग है। जहां आमतौर पर इंटरनेट देने वाले सैटेलाइट धरती से करीब 36,000 किलोमीटर दूर होते हैं (जियोस्टेशनरी ऑर्बिट), वहीं स्टारलिंक का नेटवर्क लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) में है, जो सिर्फ 550 किलोमीटर ऊपर है। इस समय स्टारलिंक के पास 7,000 सैटेलाइट का नेटवर्क है, लेकिन आने वाले समय में इसे 40,000 सैटेलाइट तक बढ़ाने की योजना है। इस तकनीक से लोग न सिर्फ तेज इंटरनेट पा सकेंगे, बल्कि ऑनलाइन गेमिंग, वीडियो कॉलिंग और स्ट्रीमिंग जैसी सुविधाएं भी बिना रुकावट इस्तेमाल कर सकेंगे।

ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट क्रांति की उम्मीद – स्टारलिंक की सेवाएं खासकर उन इलाकों के लिए फायदेमंद मानी जा रही हैं, जहां अभी तक ब्रॉडबैंड इंटरनेट नहीं पहुंच पाया है, जैसे कि पहाड़ी, ग्रामीण और दूर–दराज के क्षेत्र। उम्मीद है कि आने वाले महीनों में स्टारलिंक भारत में अपनी सेवा शुरू कर देगा।

आप सभी को हैप्पी मदर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं
NARESH AGGARWAL
PROPERTIES & DEVELOPERS PVT. LTD.
• RESIDENTIAL
• RENTED
• COMMERCIAL
• INDUSTRIAL • GOA
• AGRICULTURE

NARESH AGGARWAL
Pitampura Office: 356, Tarun Enclave, Outer Ring Road (Opp. Kali Mata Mandir), Pitampura, Delhi-34
Ph.: 011-47508370-75
9899058882, 9810111905
e-mail: naresh.aggarwal@yahoo.com
Gurugram Office: C-841B, Sushant Lok, Phase-1, Near Vyapar Kendra, Gurugram-122002, 0124-4114860, 9810156600
e-mail: nareshaggarwal.gurgaon@gmail.com
Najafgarh Office: 255, Chhawla Main Road, Najafgarh (Near Govt. Girls School) Delhi-43, 9810156600, 9899058882
Website: www.nareshaggarwalproperties.com
Managed by Group of Bank officer Engg. & C.A.
D-165, Pushpanjali Enclave, Pitampura, Delhi-34, M: 9810111905

माँ एक शब्द नहीं, जीवन का सार है,
वो हर कहानी की शुरुआत है।
हर अंधेरे में एक उजाला बन जाती है,
हर थकावट में एक सुकून बन जाती है।
माँ बस माँ होती है
Your Mother's Day
Shital Kapoor
D-293, Parshant Vihar
9312334919
KAPOOR TENT CATERERS & DECORATORS

आप सभी को मदर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएँ
Mfrs. of
uPVC Pipes and
ISI Grade
Cable Compound

9311092826
9999498048
R.D. Bansal Res. HU-5, Pitampura, Delhi-34

JAI BABA KI
AGGARWAL PROPERTIES
SALE, PURCHASE & RENTAL
BUILDERS & DEVELOPERS

Happy Mother's Day to All
ADDRESS: 5294, BASTI HARPHOOL SINGH, MAIN SADAR THANA ROAD, DELHI-6
CONTACT: 9654189159
AGGARWAL
SWEET
HOUSE

5294, Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road, Delhi-06
9654189159

माँ की ममता का कोई मोल नहीं, वो हर दिल का सबसे अनमोल कोना है। चुपचाप सब सहती जाती है, हर खुशी में मुस्कुराती है।
माँ होना ही सच्चा प्यार है।
हैप्पी मदर्स डे
अशोक गोयल
चेयरमैन - नरेला इंडस्ट्रियल वेलफेयर एसोसिएशन
परचेज हेड एवं मेंबर कंट्रोल बोर्ड-
श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल, सेक्टर 22, रोहिणी
निवास-219 राजधानी एन्कलेव, पीतमपुरा

माँ का होना सिर्फ पास होना नहीं होता,
वो तो हर दुआ में शामिल होती है।
हर जीत में उसकी परछाई होती है,
हर आँसू में उसका स्पर्श मिलता है।
माँ कभी भी कहीं दूर नहीं होती।
HAPPY MOTHER'S DAY
Krishan Kumar Jindal
B-363, 2nd Floor, Lok Vihar, Pitampura, Delhi-34
M: 9873624605

Happy Mother's Day to All
Bhutan tuff
Bringing Home The Nature
PLYWOOD | VENEER | DOORS

BHUTANTUFF PLYWOODS INDIA (P) LTD.
Corporate Office : C-599, F.F, Saraswati Vihar, Pitampura, Delhi-34
M: 9811163262, 40318148, 49 / 50 / 51
Em: info@bhutantuffindia.com
Web: bhutantuffindia.com
Manish Kedia

माँ निस्वार्थ प्रेम की अमिट छवि - मदर्स डे विशेष

मदर्स डे वर्ष का वह विशेष दिन है जो माँ के अपार प्रेम, त्याग और ममता को सम्मानित करने के लिए समर्पित है। यह केवल एक पर्व नहीं, बल्कि उन अनगिनत भावनाओं का प्रतीक है जो हम रोज़ महसूस करते हैं कभी शब्दों में, कभी खामोशी में। माँ सिर्फ एक रिश्ता नहीं, बल्कि वो आधार है जिस पर पूरा जीवन टिका होता है।

माँ जीवन की पहली शिक्षक होती है, जो बिना किताब के हमें बोलना, चलना, मुस्कुराना और जीना सिखाती है। उसका आँचल वह पहला स्कूल होता है जहाँ हम प्यार, विश्वास और धैर्य की पढ़ाई करते हैं। माँ का स्पर्श हर दर्द की दवा है, और उसकी हँसी हर मुश्किल घड़ी में उम्मीद की किरण बन जाती है।

माँ का प्यार बिना शर्त होता है न कोई अपेक्षा, न कोई स्वार्थ। चाहे दुनिया पीठ फेर ले, माँ हमेशा हमारे साथ खड़ी रहती है। उसके स्नेह में जो अपनापन होता है, वह कहीं और नहीं मिलता। जब हम गिरते हैं, तो हमें थामने वाला हाथ सबसे पहले माँ का ही होता है। जब हम सफल होते हैं, तो सबसे चमकती आंखें भी माँ की होती हैं।

मदर्स डे मनाने की परंपरा भले ही पश्चिम से आई हो, पर भारत की संस्कृति में माँ को सदियों से देवत्व का स्थान प्राप्त है। यहाँ तो मातृदेवो भवः की परंपरा रही है यानी माँ को भगवान से पहले पूज्य माना गया है। प्राचीन ग्रंथों, रामायण और महाभारत तक में माँ की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया है।

आज के आधुनिक युग में, जहाँ भागदौड़, काम का दबाव और तकनीक ने पारिवारिक रिश्तों को प्रभावित किया है, वहाँ मदर्स डे एक अवसर है ठहरने का, सोचने का और माँ के लिए अपना आभार व्यक्त करने का। यह दिन सिर्फ फूल, कार्ड या गिफ्ट देने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि हमें यह आत्ममंथन करना चाहिए कि क्या हम रोज़मर्रा की ज़िंदगी में माँ को वह सम्मान, स्नेह और समय दे पा रहे हैं जिसकी वह हक़दार हैं?

माँ की उम्र भले बढ़ती जाए, लेकिन उसकी ज़रूरतें बहुत साधारण होती हैं बस थोड़ी सी बातचीत, थोड़ा सा साथ और दिल से निकला एक मैं आपके बिना अधूरा हूँ जैसा एहसास। इस दिन हम अपने शब्दों और कर्मों से यह दिखा सकते हैं कि माँ हमारे जीवन में क्या मायने रखती है।

मदर्स डे पर हमें यह भी याद रखना चाहिए कि कुछ लोग ऐसे भी हैं जिनकी माँ अब इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन माँ एक ऐसा रिश्ता है जो केवल शारीरिक उपस्थिति से नहीं जुड़ा होता। उसकी यादें, उसकी सीखें, और उसका प्यार जीवनभर हमारे साथ रहता है। इसलिए, चाहे माँ हमारे पास हों या न हों, उनका स्थान हमारे दिल में अमिट रहता है।

आज के दिन हम सभी को यह प्रण लेना चाहिए कि हम माँ के योगदान को केवल एक दिन तक सीमित न रखें। हर दिन उनका आदर करें, समय निकालें, और उन्हें यह एहसास कराएँ कि वे हमारे जीवन की सबसे सुंदर नींव हैं।

माँ केवल जन्म देने वाली नहीं, बल्कि जीवन को सँवारने वाली होती है। उनका कर्ज़ हम कभी नहीं चुका सकते लेकिन कोशिश कर सकते हैं कि हर दिन उन्हें वो मुस्कान दे सकें, जो उन्होंने हमारे लिए अपना सारा जीवन समर्पित करके हमें दी है।

आप सभी क्षेत्रवासियों को
मदर्स डे
की हार्दिक शुभकामनाएं

ट्रस्टी - श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल, रोहिणी
अध्यक्ष - गोपाल गौसदन (गौशाला), हरेवली, बवाना, दिल्ली
Prahlad Rai
A-110, Prashant Vihar, Delhi-85, 9811052361

जिस घर में माँ होती है, वहां सब कुछ सही रहता है
सभी क्षेत्रवासियों को
मदर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएँ

पैर्टन ट्रस्टी-श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल, रोहिणी
ट्रस्टी-अग्रवाल सभा, प्रशांत विहार
Parveen Kr Gupta
9810063821
Res: C-75, Prashant Vihar, Delhi-85

भगवान हर जगह नहीं हो सकते, इसलिए उन्होंने माँ बनाई है
आप सभी को हैप्पी मदर्स डे
A-507, Kedar Apartment, Sector-9, Rohini, Delhi-85
Naresh Kumar Goel
M: 9818500551

माँ की बातें आज भी दिल को सुकून देती हैं,
उनकी सीख हर मोड़ पर साथ चलती है।
ना ज़रूरत होती है किसी आवाज़ की,
माँ की यादें ख़ामोशी में भी बोलती हैं।
वो हर पल हमारे आसपास होती हैं।
HAPPY Mother's Day
Kamal Gupta
BT-54, West Shalimar Bagh, Delhi-88 M: 9811278778

माँ की ममता समय से परे है, वो हर युग की सबसे सुंदर परिभाषा है। ना वो कहीं जाती है, ना आती है, वो तो हर दिल में बस जाती है। माँ हमेशा होती है — कहीं न कहीं।
Happy Mother's Day
Sushil Jain-9810042851
Aman Jain
Res: JP-103, 3rd Floor, Pitampura, Delhi-34

माँ का प्यार वक़्त से परे होता है,
हर दूरी को पल में समेट लेता है।
न छूने की ज़रूरत, न देखने की चाह,
माँ तो बस एहसासों में बसी रहती है।
हर धड़कन में उसकी ममता दिखती है।
Sunil Poddar
71/2C, Rama Road, Moti Nagar, M:9810003191

आप सभी को मदर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं

President : Aggarwal Foundation (Regd.) & Anjani Mahal Dharamshala (Balaji)
President : Shri Balaji Sewa Trust & Vasudevam School & Jan Jagariti Edu. Soc.
Vice President : Rashtriya Vyapar Mandal & Barsana Dham Foundation
Pattern Trustee : Maharaja Agersain Hospital & Maharaja International Hospital
Pattern Trustee : Agroha Medical College & Jind Maitri Sangh
Trustee : Shri Kunj Bihari Nishkam Sewa Trust & Vaishya Vyapar Sangathan
Trustee : Shri Krishna Janmashtami Mahotsav & Chamber of Commerce
: Aggarwal Sabha Sec-5, 8, 11, 14, 18 Rohini
: Lions Club & Agarsen Bhawan & Kamdhenu Mamngal Parivar
T.R. Mittal
A-53, 1st Floor, Prashant Vihar, Delhi | Ph.9811155386, 9711417000

आप सभी दिल्लीवासियों को
माँ की ममता समय से परे है, वो हर युग की सबसे सुंदर परिभाषा है। ना वो कहीं जाती है, ना आती है, वो तो हर दिल में बस जाती है। माँ हमेशा होती है — कहीं न कहीं।

हैप्पी मदर्स डे
शिखर चन्द जैन
ट्रस्टी-अग्रवाल सभा, प्रशांत विहार
अध्यक्ष-अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा वार्ड 53
प्रसिद्ध समाजसेवी
बी-133, प्रशांत विहार

हैप्पी मदर्स डे
जब कभी मेरा मन उदास होता है,
तब तेरा चेहरा आसपास होता है,
तब मिलता है सुकून और विश्वास,
माँ ! तेरे आशीर्वाद का अहसास होता है।

Sourabh jain
Shyam Lal Jain
Residence : A-2/17, 3rd Floor, Miyanwali Nagar, Paschim Vihar, Delhi-63 M: 9312211886

सभी क्षेत्रवासियों को
मदर्स डे
Happy Mother's Day
की हार्दिक शुभकामनाएँ

माँ का प्यार वक़्त से परे होता है, हर दूरी को पल में समेट लेता है। न छूने की ज़रूरत, न देखने की चाह, माँ तो बस एहसासों में बसी रहती है। हर धड़कन में उसकी ममता दिखती है।
Anil
9811139748
V-19A, Budh Vihar, Phase-1, Delhi

सभी क्षेत्रवासियों को
HAPPY Mother's Day
मदर्स डे
की हार्दिक शुभकामनाएँ

माँ तेरी ममता की छाँव, जैसे धरती पर हो स्वर्ग का गाँव। तेरी दुआओं से चलता है जहाँ, तेरे बिना अधूरा है मेरा हर अरमान। तेरे चरणों में ही बसी मेरी पहचान।
Sumit Jain
9311143454
2104, Sanchar Vihar Apt, Plot No.5, Sec-4, Dwarka, Delhi

माँ की बातें आज भी दिल को सुकून देती हैं,
उनकी सीख हर मोड़ पर साथ चलती है।
ना ज़रूरत होती है किसी आवाज़ की,
माँ की यादें ख़ामोशी में भी बोलती हैं।
वो हर पल हमारे आसपास होती हैं।
Happy Mother's Day
Navneet Bhardwaj
(Advocate)
M: 8447946944

Office : 07 (GF) RU Block DDA Market Pitam Pura Delhi-34

सभी क्षेत्रवासियों को
मदर्स डे
की हार्दिक शुभकामनाएँ

हजारों फूल चाहिए एक माला बनाने के लिए, हजारों दीपक चाहिए एक आरती सजाने के लिए, हजारों बूंद चाहिए समुद्र बनाने के लिए, पर "माँ" अकेली ही काफी है, बच्चों की जिन्दगी को स्वर्ग बनाने के लिए...
Manoj Goel
9810248908
11/9, Jaidev Park, East Punjabi Bagh, Delhi-26

पृष्ठ 1 का शेष

मधुबन चौक पर बनेगा नया स्काईवॉक, रोहिणी कोर्ट और पीतमपुरा मेट्रो को जोड़ेगा

सड़क हादसे हो चुके हैं और इसे दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने 'ब्लैक स्पॉट' की श्रेणी में रखा है। स्काईवॉक के निर्माण से पैदल यात्रियों को सुरक्षित रास्ता मिलेगा और ट्रैफिक फ्लो भी नियंत्रित रहेगा।

दिल्ली का तीसरा स्काईवॉक – यह प्रस्तावित स्काईवॉक राजधानी दिल्ली का तीसरा स्काईवॉक होगा। इससे पहले ITO और साउथ कैंपस में ऐसे स्काईवॉक का निर्माण किया जा चुका है, जिन्हें जनता से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

नागरिकों को होगी बड़ी राहत – स्काईवॉक के निर्माण से रोहिणी कोर्ट में आने–जाने वाले वकीलों, मुवक्किलों, पीतमपुरा मार्केट के व्यापारी वर्ग, मॉल आने वाले लोग और स्थानीय निवासीकृंसस को बड़ी राहत मिलेगी। यह परियोजना अगले वर्ष के मध्य तक पूरी होने की संभावना है।

गर्मी होगी गुल, पैसे बचेंगे फुलः कमाल का कूलर, आठ डिग्री कर देगा रूम टेंपरेचर, एक यूनिट बिजली से चलेगा 10 घंटे

नई दिल्ली (सं.)। इस एक्सपो की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसमें ज्यादातर मशीनें स्वदेशी हैं। इन मशीनों के बिना किसी उपकरण की कल्पना नहीं की जा सकती। यहां आने पर भारत की मशीन निर्माण के क्षेत्र में ताकत का पता भी चल रहा है।

सिलिकॉन कोटेड ढाई फुट का ब्लोअर 1 यूनिट बिजली से 10 घंटे चलेगा और पल भर में रूम टेंपरेचर 8 डिग्री कर देगा। 1 किलोवाट का महाकाय कूलर 5000 वर्ग फीट लंबे–चौड़े हॉल को शीतल करने में सक्षम है। अत्याधुनिक बंदूकों, नेवल, एयरक्राफ्ट, टैंक, वाहनों के टूल्स बनाने की मशीनें, भारत मंडपम में लगे दिल्ली मशीन टूल एक्सपो 2025 में ऐसी हजारों देशी मशीनों की भरमार है। इसमें 230 एग्जिविटर्स नई तकनीक वाली मशीनों के साथ मौजूद हैं। यहां उद्योग जगत के लीडर्स से मिला जा सकता है। नवाचार के समाधान, भविष्य की योजना बनाई जा सकती है।

12 मई तक चलेगा एक्सपो – इस एक्सपो की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसमें ज्यादातर मशीनें स्वदेशी हैं। इन मशीनों के बिना किसी उपकरण की कल्पना नहीं की जा सकती। यहां आने पर भारत की मशीन निर्माण के क्षेत्र में ताकत का पता भी चल रहा है। मशीन टूल एक्सपो एक बिजनेस टू बिजनेस प्रदर्शनी है, जिसमें टूल्स काटने और टूल्स बनाने की मशीनें, टूल्स, वेल्डिंग की मशीनें प्रदर्शित की गई हैं। भारतीय मशीन टूल मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन (आईएमटीएमए) ने एक्सपो आयोजित किया है। शुक्रवार को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के संयुक्त सचिव विजय मित्तल ने मशीन टूल एक्सपो का उद्घाटन किया। इस मौके पर आईएमटीएमए के डायरेक्टर राजेन्द्र रजामने भी मौजूद रहे। प्रगति मैदान हॉल 4 और 6 में लगा एक्सपो 12 मई तक चलेगा। सुबह 10 बजे से इसमें जा सकते हैं।

मशीन निर्माण में बदल गई भारत की तस्वीर – भारी उद्योग मंत्रालय के संयुक्त सचिव विजय मित्तल ने बताया कि मशीन निर्माण के क्षेत्र में भारत की तस्वीर दुनिया में बदल रही है। चीन, जापान, ताइवान, इटली, स्पेन सहित कुल 10 देश मशीन बनाते हैं। भारत इनमें नौवें स्थान पर है। बड़ी बात ये है कि भारत आज इन देशों को भी मशीनें बनाकर दे रहा है।

मशीनों का एक्सपोर्ट बढ़कर 1500 करोड़ पहुंचा – आईएमटीएमए के डायरेक्टर राजेन्द्र रजामने ने बताया कि पिछले 5–7 साल में भारत ने मशीन निर्माण के क्षेत्र में 10 गुना छलांग लगाई है। कभी जिन देशों से मशीन खरीदा करते थे, अब इन्हें भारत मशीन बेच रहा है। इसके कारण सालाना एक्सपोर्ट बढ़कर 1500 करोड़ पहुंच गया है। आईएमटीएमए पिछले 75 साल से काम कर रहा है। मौजूदा समय 225 कंपनियां इसके साथ हैं। 25 फीसदी विदेशी कंपनियां भी जुड़ी हैं। दिल्ली की भी 10 से ज्यादा कंपनियां शामिल हैं।

जाटों के इस गांव में हर तीसरे घर से निकला है फौजी, बॉर्डर पर तैनात है एक हजार से ज्यादा युवा

नई दिल्ली (सं.)। सैनिकों का गांव ढिकौली' बागपत से चमरावल मार्ग पर 14 किमी चलने पर यही लिखा हुआ बोर्ड लगा दिखाई देगा। यह बोर्ड ऐसे ही नहीं लगाया गया है। इस गांव में करीब एक हजार युवा सेना व अर्धसैनिक बलों में रहकर देश की सुरक्षा कर रहे हैं। इस समय भी बॉर्डर पर सबसे ज्यादा यहां के सैनिक तैनात हैं। यह युवा मेजर, कर्नल, लेफ्टिनेंट, ब्रिगेडियर समेत सभी पदों पर तैनात है।

बीस हजार की आबादी वाले जाट बाहुल्य गांव ढिकौली के युवाओं के दिलों में देश सुरक्षा और सेवा का जज्बा बचपन से दिखाई देता है। इसका कारण है कि अधिकतर परिवारों से कोई न कोई सदस्य सेना में रहकर देश की सुरक्षा कर रहे हैं। उनको देखकर ही बच्चों में सेना में जाने का जज्बा पैदा होता है।

यह सिलसिला ऐसा शुरू हुआ कि समय के साथ जज्बा बढ़ता चला गया। इस समय बॉर्डर पर तैनात सैनिकों के परिजन कहते हैं कि हमारे देश में कायराना हरकत करने वाले आतंकियों को घर में घुसकर मारने वाले बेटों पर गर्व है। इस तरह ही बेटे देश की सीमा पर डटे रहेंगे और दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देंगे।

इस तरह पदों पर रहकर देश सेवा कर रहे – ढिकौली गांव के कमांडर सुनील ढाका, कर्नल अनिल ढाका, पुष्पेंद्र ढाका, अजित सिंह, अमित ढाका, मेजर कुलदीप, बॉबी ढाका, सूबेदार अनिल ढाका, लेफ्टिनेंट महिपाल ढाका समेत अन्य कई अहम पदों पर कार्यरत है।

देश के लिए जंग लड़ते हुए शहादत भी मिली – ढिकौली के हवलदार हरपाल ढाका और सौराज सिंह ढाका 1965 में पाकिस्तान से जंग में शहीद हुए थे। धर्मपाल सिंह 1984 अमृतसर में देश सुरक्षा के लिए लड़ते हुए शहीद हुए। सुरेंद्र ढाका 1999 में कारगिल युद्ध में शहीद हुए थे।

हर जंग में शामिल रहा ढिकौली – मेजर जनरल सुरेंद्र सिंह ढाका ने 1965, 71, 99 की जंग लड़ी थी। बिग्रेडियर रणबीर सिंह ने 1965, 71 की जंग लडी। बिग्रेडियर महेंद्र सिंह ने 1965, 71 की जंग में लोहा मनवाया। कर्नल बलवान सिंह ढाका, कर्नल सतेंद्र ढाका, कर्नल ओमबीर ढाका, कर्नल बलजोर ढाका ने 1965, 71 की जंग लड़ी थी। इनके अलावा कैप्टन महाराज सिंह ढाका और कैप्टन राजसिंह ढाका ने 1965, 71, 99 की जंग लड़ी थी। कैप्टन राजसिंह को 1965 की जंग में मृतक समझकर मोर्चरी भेज दिया गया था, लेकिन उनको दो दिन बाद होश आया। सूबेदार मेजर बलजोर ढाका और मेजर यशपाल सिंह ने 1962, 65, 71 की जंग लड़ी थी।

पाकिस्तान की छावनी से उठा लाए थे संदूक – ढिकौली के स्व. कैप्टन राज सिंह ने 1965 तथा 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ हुए युद्ध को लड़ा। उनके बेटे ओमबीर ढाका बताते हैं कि 1971 में भारतीय फौज लाहौर तक पहुंच गई थी, जिसमें उनके पिता कैप्टन राज सिंह भी शामिल थे। पिता लाहौर छावनी से जीत की निशानी के तौर पर पाकिस्तानी फौज की बैरक से उनका संदूक लेकर आए थे जो आज भी हमारे घर रखा है।

मैं वर्ष 1965 में सेना में भर्ती होते ही पाकिस्तान के साथ हुई जंग में चला गया। मैंने 1971 की जंग भी लड़ी। दोनों बार पाकिस्तान को घर में घुसकर मारा था। इसके बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। अब हमारे गांव के बेटे भी पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। – प्रकाश वाल्मिकी, सेवानिवृत्त सैनिक

हमारे गांव के युवाओं में सेना में भर्ती होकर देश की सुरक्षा व सेवा करने का जज्बा बहुत है। अधिकतर युवा सेना में भर्ती की तैयारी करते हैं। माता–पिता का भी यही सपना है कि उनके बच्चे पढ़ लिखकर सेना में भर्ती होकर अपने देश की रक्षा करें। – रामबीर सिंह, ग्रामीण

मैंने वर्ष 1965 और 1971 की जंग लड़ी थी। तब भी हमारे गांव के काफी सैनिक बॉर्डर पर थे और हम सभी ने दुश्मनों को ढेर कर दिया था। हमारा एक–एक सैनिक कई पर भारी पड़ा था। अब हमारे बेटे भी देश की सुरक्षा में लगे हैं और वह दुश्मन को उनकी नापाक हरकतों का जवाब देते रहेंगे। – इंद्रपाल ढाका, सेवानिवृत्त सैनिक

श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण बना हिमखंड के बीच से गुजरना, खूब ले रहे सेल्फी

नई दिल्ली (सं.)। बदरीनाथ धाम पहुंच रहे श्रद्धालुओं के लिए हाईवे पर पसरा हिमखंड कौतूहल से कम नहीं है। श्रद्धालु यहां पहुंचकर खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं, वे इस क्षण को यादगार बनाने के लिए सेल्फी ले रहे हैं।

बदरीनाथ धाम से एक किमी पहले हाईवे पर भारी भरकम हिमखंड पसरा हुआ है। यहां हिमखंड के बीच से श्रद्धालु गुजर रहे हैं। मई माह में समीप से बर्फ देखना श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

दिन भर यहां पर श्रद्धालुओं की चहल कदमी नजर आ रही है। दिल्ली से आए प्रमेंद्र का कहना है कि यह किसी आश्चर्य से कम नहीं है। जब बड़े शहरों में लोग गर्मी से परेशान हैं तब यहां आंखों के सामने बर्फ के दर्शन हो रहे हैं। बदरीनाथ धाम में दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड उमड़ रही है। बृहस्पतिवार को धाम में 13180 श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंचे। अब तक बदरीविशाल के दर्शन करने वालों की कुल संख्या 79678 पहुंच गई है। यात्री सुबह से लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। सुबह से शाम तक धाम में दर्शनों की लाइन लगी हुई है।

वहीं, भगवान बदरीनाथ के दर्शनों को उमड़ रही भीड को नियंत्रित करने व यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए धाम में चप्पे–चप्पे पर पुलिस का कड़ा पहरा है। पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच धाम में श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं।

बदरीनाथ धाम में दर्शन करने के लिए हर दिन भीड़ उमड़ रही है। इसे नियंत्रित करने, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और टप्पेबाज सहित असामाजिक तत्वों से निपटना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। देश में बने हालात के मद्देनजर धाम की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता किया गया है।

इसके लिए महिला व पुरुष पुलिस कर्मी सघन चेकिंग अभियान के साथ ही हर गतिविधि पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। बदरीनाथ थाना प्रभारी नवनीत भंडारी का कहना है कि धाम में किसी तरह की कोई अव्यवस्था न हो इसके चप्पे–चप्पे पर पुलिस तैनात की गई है। सभी श्रद्धालु सुगमता से दर्शन कर सकें इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

फिल्मी तड़का

खेसारी लाल की फिल्म गॉडफादर का दमदार लुक आया सामने, नेटिजन्स बोले– ब्लॉकबस्टर है

खेसारी लाल यादव को भोजपुरी की हिट मशीन कहा जाता है। उनके गाने फैंस के बीच जमकर बवाल काटते हैं तो अभिनय की जादूगरी भी उनकी खूब चलती है। खेसारी के पास इस वक्त कई बैक टू बैक फिल्में हैं। एक फिल्म है गॉडफादर। इसका आज पोस्टर जारी किया गया है। हालांकि, इसमें उनका चेहरा नहीं दिखाया गया है।

देसी गॉडफादर में खेसारी का दमदार लुक – फिल्म गॉडफादर का पोस्टर द टाइम्स भोजपुरी के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है। पोस्टर में खेसारी लाल यादव नजर आ रहे हैं। उनका चेहरा नहीं दिखाई दे रहा है। वे लाल रंग की शर्ट में पोज दे रहे हैं। बालों का रंग व्हाइट दिखाई दे रहा है। पोस्टर के साथ लिखा है, श्खेसारी की देसी भोजपुरी फिल्म श्गॉडफादरश की पहली झलकश। इसमें खेसारी के साथ यामिनी सिंह, आस्था सिंह, संजय पांडे, विनोद मिश्रा और निशा तिवारी जैसे सितारे हैं।

नेटिजन्स हुए उत्साहित – पोस्टर पर खेसारी का अंदाज देखकर लग रहा है कि यह एक्शन फिल्म है। जंग के मैदान में खेसारी दुश्मनों से दो–दो हाथ करने को तैयार नजर आ रहे हैं। पोस्टर ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। नेटिजन्स के दिलचस्प रिएक्शन सामने आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ब्लॉकबस्टर है। एक अन्य यूजर ने लिखा, भोजपुरी के फादर। एक यूजर ने लिखा, हिट है बॉस। खेसारी के फैंस लिख रहे हैं, गर्दा उड़ा दिया। फिल्म का इंतजार है।

अग्नि परीक्षा में भी आएंगे नजर – फिल्म गॉडफादर का निर्देशन पराग पाटिल ने किया है। वहीं, पराग पाटिल के साथ मिलकर रोशन सिंह और सुबोध सेठ ने इसे प्रोड्यूस किया है। कुलदीप श्रीवास्तव इसके सह–निर्माता हैं। फिल्म के निर्देशन और लिरिक्स की कमान कृष्णा बेदर्दी ने संभाली है। फिल्म श्गॉडफादरश के अलावा खेसारी के पास अग्नि परीक्षा भी है। इसका पोस्टर बीते दिनों रिलीज हुआ।

केसरी चैप्टर 2 की कामयाबी से मजबूत हुईं अनन्या पांडे, लेना चाहती हैं ये जोखिम

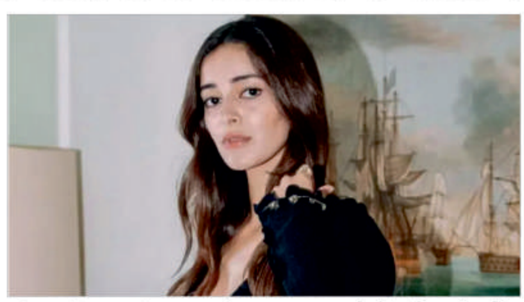

अभिनेत्री अनन्या पांडे को हाल ही में फिल्म केसरी चौप्टर 2 में देखा गया था। उन्होंने कहा है कि वह और भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण रोल अदा करने के लिए तैयार हैं। अनन्या ने साल 2019 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद वह गहराइयां और सीटीआरएल जैसी में नजर आईं। हर फिल्म में उनकी अलग काबिलियत दिखाई दी है।

अब अनन्या पांडे ने इच्छा जताई है कि वह और चुनौतीपूर्ण और ज्यादा मांग वाले रोल निभाना चाहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अनन्या ने कहा कि वह अपनी हद से निकल कर अदाकारी करना चाहती हैं।

अधिक चुनौतीपूर्ण फिल्में करना चाहती हैं अनन्या – फिल्म कंपेनियन से बातचीत में अन्नया पांडे ने कहा श्मुझे लगता है कि पहले हमने भले बदहवासी में फैसला किया हो लेकिन अब पूरे होश व हवास में फैसला किया है। मैं नहीं चाहती कि मैं जैसी दिखती हूं उसी तरह जानी जाऊं। मैं गहरे में उतरना चाहती हूं। मैं अपने आपको धक्का देना चाहती हूं। मैंने महसूस किया है कि कई प्रोजेक्ट में काम करने के बाद मैं वापस नहीं जाना चाहती।

एक शैली में सीमित नहीं रहना चाहती अनन्या – अनन्या पांडे चुनौतीपूर्ण किरदारों के साथ प्रयोग करना चाहती हैं। पति पत्नी और वो और ओटीटी सीरीज कॉल मी बे में काम करने के बाद, अनन्या को लगता है कि अगर वह सिर्फ एक शैली तक ही सीमित रहती हैं, तो यह उनके फैंस के साथ अन्याय होगा।

अनन्या की पिछली फिल्म के बारे में – अनन्या पांडे ने हाल ही में रिलीज हुई केसरी चैप्टर 2 में अपने प्रदर्शन के लिए प्रशंसकों और आलोचकों दोनों से तारीफें लूटी हैं। फिल्म में उन्होंने दिग्गज अभिनेता अक्षय कुमार के साथ दिलरीत गिल की भूमिका निभाई है। फिल्म में आर माधवन भी हैं। फिल्म का निर्देशन करण सिंह त्यागी ने किया है। ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म बॉक्स–ऑफिस पर हिट रही है। फिल्म ने पहले तीन हफ्तों में लगभग 81.5 करोड़ रुपये कमाए हैं।

लेखकों से प्रार्थना

अपनी छोटी–छोटी रचनाएं **पावन संसार** में प्रकाशनार्थ भेजें। रचनाएं घर–परिवार एवं समाज की समस्याओं से संबंधित, धार्मिक, नैतिक, सहयोग, प्यार, सम्मान, आदि पर आधारित होनी चाहिए। बच्चों के लिए छोटी–छोटी रचनाएं हम सहर्ष प्रकाशित करेंगे। लेखक अपना नाम व मोबाईल अवश्य लिखें।

संपादक

RNI No. DELHIN/2011/40220. Postal No. G-3/DL(N)/267/2024-26. Date of Publication:- 08-05-2025

व्यापार है तो व्यापारी है।
व्यापारी है तो व्यापार है।

भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल (दिल्ली प्रदेश)

भारत के व्यापार एवं उद्योग संस्थाओं का राष्ट्रीय संगठन

सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल (दिल्ली प्रदेश) देश की सुरक्षा हेतु सरकार एवं सेना द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध उठाए गए साहसिक कदम का समर्थन करता है।

हमें अपनी सेना और सरकार पर गर्व है और

हम हर परिस्थिति में तन-मन-धन से उनके साथ खड़े हैं।

बालकिशन अग्रवाल
राष्ट्रीय चेयरमैन

नरेश ऐरन
चेयरमैन

नवीन गर्ग
अध्यक्ष

संजीव मित्तल
वरिष्ठ उपाध्यक्ष

मनीष बंसल
वरिष्ठ महामंत्री

सुशील कुमार जैन
संगठन महामंत्री

योगेश अग्रवाल
कोषाध्यक्ष

नितिन अग्रवाल
कोषाध्यक्ष

पावन संसार के संपादक श्री वी.के.अग्रवाल ने SANDAL SUITS, नोएडा में मित्रों संग बिताए सुकून व मस्ती भरे पल

प्रशांत विहार (सं.)। 2 मई 2025, शुक्रवार को **'पावन संसार' के संपादक श्री वी.के. अग्रवाल** अपनी धर्मपत्नी व अपने तीन कपल मित्रों **श्रीमती एंव श्री एन.के. गोयल (निवासी प्रशांत विहार), श्रीमती एवं श्री के. एल. छाबड़ा (निवासी गुरूग्राम)** तथा **श्रीमती एंव श्री नितिन जैन (निवासी देहरादून)** के साथ नोएडा स्थित Sandal Suits में दो रात तीन दिन का अवकाश मनाने गए। यह नोएडा के प्रसिद्ध आईटी पार्क सैक्टर 135 में स्थित है जहां टीसीएस, बिरला सोफ्ट, सैमसंग आदि मल्टी नेशनल कंपनियों के बड़े व अति आधुनिक कार्यालय स्थित है।

Sandal Suits का वातावरण अत्यंत शांति एवं सुविधा पूर्ण था। वहाँ पहुँचते ही सभी ने आराम किया, ताज़ी हवा और हरियाली से भरपूर स्थान में मानसिक विश्राम का अनुभव किया। होटल के स्विमिंग पूल में सभी ने मस्ती भरे पल बिताए। समूह में साथ समय बिताना, हँसी-मजाक और एक-दूसरे के साथ बिताया गया हर क्षण सभी के लिए यादगार बन गया।

शाम को सभी ने जेपी रिसॉर्ट का भ्रमण किया, जो नोएडा का एक प्रसिद्ध स्थल है। इसके बाद हम सभी पास ही स्थित **वेनिश मॉल** भी गए, जहाँ आधुनिक खरीदारी के साथ-साथ खाने-पीने और घूमने-फिरने के विकल्पों का भरपूर आनंद लिया। मॉल का भव्य वातावरण, ब्रांडेड शोरूम्स और साफ-सुथरी व्यवस्था ने सभी को बहुत प्रभावित किया।

यात्रा के अंतिम दिन यानी 4 मई को हम सभी मित्रों ने नोएडा के प्रसिद्ध मॉल **"डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया"** का आनंद लिया व उसके बाद **अंबेडकर पार्क (हाथी पार्क)** भी देखा, जो बहुचर्चित राजनेत्री सुश्री मायावती जी की देन है। विशालकाय पत्थर के हाथियों की मूर्तियाँ और सुंदर बग़ीचे सभी को बहुत रोचक व मनमोहक लगे।

इस तीन दिवसीय यात्रा ने सभी को रोजमर्रा की भागदौड़ से अलग एक सुकून भरा अनुभव दिया। प्रकृति की गोद में, अच्छे मित्रों के साथ बिताया गया यह समय सभी के लिए बेहद यादगार बन गया।

हमारे वीर सैनिकों और सरकार ने जिस साहसिकता से आतंकवाद के खिलाफ कदम उठाए हैं, वह प्रेरणादायक है। इस मजबूत और निर्णायक कार्रवाई पर मुझे गर्व है। मैं पूरी निष्ठा के साथ अपनी सेना और सरकार के साथ खड़ा हूँ, और हर हाल में देश की सुरक्षा के लिए संकल्पित हूँ।

पवन कुमार अग्रवाल
(प्रसिद्ध समाजसेवी)
निवास : सी-50, रोहित कुंज, पीतमपुरा, दिल्ली-34 मो. 9810139939
M.G. Shahani & Co. Delhi Pvt. Ltd.

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवम सम्पादक : वीरेन्द्र कुमार द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सैक्टर-8, नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित तथा डी-4, प्रथम तल, सैफवे हाऊस, सेन्ट्रल मार्किट, प्रशान्त विहार, दिल्ली-85 से प्रकाशित। नोट : न्यायालय सम्बन्धित सभी मामले दिल्ली में ही निपटाये जाएंगे। और लेखकों द्वारा व्यक्त किये गये विचारों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।